सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

टी20 वर्ल्ड कप: भारत-पाक मैच के कारण कोलंबों पेज: 7

'कॉकटेल 2 के बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 305 | शनिवार 14 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

हिमाचल की सुखु सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, स्थानीय निकाय चुनाव के लिए 31 मई तक मिला वक्त

हिमाचल: हिमाचल प्रदेश सरकार को महत्वपूर्ण राहत देते हुए, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समय सीमा को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने प्रधान सचिव द्वारा दायर याचिका पर संज्ञान लेते हुए पुनर्निर्माण कार्य, परिसीमन और आरक्षण को पूरा करने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 28 फरवरी की समय सीमा को बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश में संशोधन करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भारी बारिश से प्रभावित पहाड़ी राज्य में परिसीमन और पुनर्निर्माण कार्यों को पूरा करने में सरकार और राज्य चुनाव आयोग को हो रही रसद संबंधी कठिनाइयों का संज्ञान लिया।

संसद डायरी: हंगामेदार रहा बजट सत्र का पहला चरण, 9 मार्च तक कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली एजेंसी: भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के संस्मरण से जुड़े विवाद को लेकर कई दिनों तक चले तीखे राजनीतिक वाद-विवाद के बाद शुक्रवार को बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया। यह विवाद संसद के बाहर भी चर्चा का विषय बना रहा। लोकसभा में आज केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका दोनों सदन अब तीन सप्ताह के अवकाश पर चले गए हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 9 मार्च को फिर से शुरू होगी। बजट सत्र, जो 28 जनवरी को राष्ट्रपति के संसद को दिए गए संयुक्त संबोधन के साथ शुरू हुआ था, 65 दिनों में 30 बैठकों के साथ समाप्त होगा। मध्यावधि अवकाश के दौरान स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अनुदान अनुरोधों की जांच करेंगी। लोकसभा में दो फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। धन्यवाद प्रस्ताव और इसका समर्थन करने के लिए भाजपा के दो सदस्यों के भाषण के बाद जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी बात रखनी शुरू की तो उनकी एक टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के कारण चर्चा नहीं हुई और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस पर जवाब हो सका। हालांकि लोकसभा में इस सप्ताह आम बजट पर चर्चा हुई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को इसका जवाब दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति नहीं देने और आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के मामले में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए लोकसभा महासचिव को एक नोटिस दिया है। सूत्रों ने कहा कि नोटिस बजट सत्र के द्वितीय चरण की शुरूआत होने पर विचार के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। उच्च सदन में भी 2

इस चरण में आम बजट पर चर्चा के साथ ही लोकसभा....

विभिन्न राजनीतिक विवादों और विपक्षी हंगामे के बीच संसद के बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया है, जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नौ मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस चरण में आम बजट पर चर्चा के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भी दिया गया।

फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इस चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच फरवरी को जवाब दिया था। राज्यसभा में नौ मार्च से आम बजट 2026-27 पर चर्चा शुरू हुई थी जिसका जवाब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 फरवरी को दिया। कल ही उच्च सदन में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित किया गया था। आज की कार्यवाही आम आदमी पार्टी के सदस्य संजय सिंह ने शुक्रवार को राज्यसभा में सरकार से मांग की कि थल सेना में भर्ती के लिए परीक्षा पास कर चुके युवाओं की तत्काल भर्ती की जाए और सैनिकों को वरिष्ठ अधिकारियों की सेवा में लगाना बंद किया जाए। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सिंह ने कहा कि 2019 से 2022 के बीच लगभग 1.23 लाख युवाओं ने थल सेना में भर्ती के लिए शारीरिक और चिकित्सा परीक्षा पास की, जबकि लगभग 7,000 उम्मीदवारों ने वायुसेना के लिए परीक्षा उत्तीर्ण की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश से कोडीन आधारित कफ सिरप के सेवन से जुड़ी मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नड्डा ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। राज्यसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्य सज्जाद अहमद किचलू ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर के छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान के एक विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश देने की प्रतिबद्धता पूरी न किए जाने के कारण इन छात्रों का भविष्य अधर में है। किचलू ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए

प्रधानमंत्री मोदी ने किया 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन, न्यू इंडिया के शासन का नया पावर सेंटर

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया, जो एक नई इमारत है जिसमें प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय स्थित हैं। केंद्र ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि नई इमारतें भारत की प्रशासनिक शासन संरचना को दशार्ती हैं और आधुनिक, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं। दशकों से, मंत्रालय सेंट्रल विस्टा में बिखरे हुए पुराने भवनों से काम करते रहे, जिसके कारण समन्वय में कमी, रसद संबंधी बाधाएँ और रखरखाव की उच्च लागत जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। नए परिसरों का उद्देश्य निर्बाध समन्वय के लिए डिजाइन किए गए भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे में प्रमुख प्रशासनिक विभागों को एक साथ लाकर इन समस्याओं का समाधान करना है। सरकार को उम्मीद है कि इस एकीकरण से निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, लागत कम होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। सेवा तीर्थ में तीन प्रमुख कार्यकारी संस्थान - प्रधानमंत्री कार्यालय (सेवा तीर्थ-1), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (सेवा तीर्थ-2) और मंत्रिमंडल सचिवालय (सेवा तीर्थ-3) - एक ही स्थान पर होंगे, जो पहले अलग-अलग स्थानों से कार्य करते थे। इनके एक ही स्थान पर होने से सरकार के उच्चतम स्तर पर रणनीतिक समन्वय मजबूत होने की उम्मीद है। कर्तव्य भवन-1 और 2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कॉर्पोरेट मामले, शिक्षा, संस्कृति, विधि एवं न्याय, सूचना एवं प्रसारण, कृषि एवं किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक एवं जनजातीय मामलों सहित प्रमुख मंत्रालयों के कार्यालय होंगे। इस समेकन का उद्देश्य अंतर-मंत्रालयी समन्वय को सुधारना और जनता की पहुंच को सुगम बनाना है। नए परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय, सुव्यवस्थित सार्वजनिक संपर्क क्षेत्र और केंद्रीकृत स्वागत सुविधाएं हैं, जो दक्षता और नागरिक सहभागिता को बेहतर बनाने में सहायक हैं। उन्नत डिजिटल अवसंरचना से ई-गवर्नेंस और पारदर्शी प्रशासन को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

रैली में भीड़ पर पाबंदी से भड़के एक्टर विजय, सीएम स्टालिन सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

तमिलनाडु एजेंसी: अपनी चुनावी सभा में मात्र 4,998 लोगों के शामिल होने की अनुमति मिलने के बाद, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य द्वारा लागू किए गए मानक संचालन प्रक्रियाएं स्टालिन की कार्यप्रणाली हैं। सीलानाइकेनपत्ती में एक चुनावी रैली में सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने एमके स्टालिन सरकार पर आरोप लगाया कि वह तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को राजनीतिक रैलियां आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर रही है, जबकि अन्य को अनुमति दे रही है। विजय ने कहा कि वह सलेम केवल वोट मांगने नहीं, बल्कि न्याय मांगने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अन्य पार्टियों को अनुरोध करने पर तुरंत अनुमति मिल जाती है, वहीं तमिलगा वेट्री कजगम को अनुमति देने से इनकार कर दिया जाता है। विजय ने कहा कि वे अन्य पार्टियों को सम्मेलन, सार्वजनिक सभाएं या हॉल में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुमति देते हैं और जगह उपलब्ध कराते हैं। लेकिन सिर्फ हमें, वे न तो जगह देते हैं और न ही देने की अनुमति देते हैं। अन्य पार्टियों के लिए, वे उपयुक्त स्थान और पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं ताकि वे लोगों से मिल सकें या लोग उनसे मिल सकें। लेकिन मुझे, वे न तो यह सुविधा देते हैं और न ही देने की अनुमति देते हैं। यह कैसा न्याय है? उन्होंने आगे कहा कि वे एसओपी की बात करते हैं। इसका पूरा नाम स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर है। लेकिन मेरे लिए, इसका मतलब स्टालिन-ओह सॉरी, स्टालिन सर ऑपरेटिंग प्रोसीजर लगता है। एहतियात के तौर पर, कार्यक्रम स्थल पर पार्टी सदस्यों और पदाधिकारियों के पहचान पत्रों का कड़ाई से सत्यापन किया गया। पुलिस दिशानिदेर्शों के अनुसार, विजय के नेतृत्व वाली टीवीके रैली में केवल 4,998 लोगों को ही शामिल होने की अनुमति दी गई। केवल क्यूआर कोड वाले प्रवेश पास धारकों को ही अंदर जाने दिया जा रहा है, कोई अपवाद नहीं है। जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और भीड़भाड़ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर वाहनों की जांच और यातायात को डायवर्ट किया गया। अधिकारियों ने कहा है

धूल चेहरे पर थी, मैं आईना साफ करता रहा... सीएम योगी का समाजवादी पार्टी पर तंज

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि उनके व्यवहार से बेटियां घबरा गईं और व्यापारियों ने अपना कारोबार बंद कर दिया। उन्होंने अपनी आलोचना को प्रसिद्ध कवि मिर्जा गालिब के एक कथन से समाप्त किया, "धूल चेहरे पे थी और मैं आईना साफ करता रहा," जिसका अर्थ है कि विपक्ष अपनी गहरी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष दे रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य दलों के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने राज्य को शर्मिंदा किया, और दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में लगभग 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि राज्य की छवि अचानक खराब नहीं हुई। यह समाजवादी पार्टी का विशेष व्यवहार था जिसने बेटियों को घबरा दिया और व्यापारियों ने अपना कारोबार बंद कर दिया। विपक्ष के भाषण का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मैं आपके सभी सवालों का जवाब दे दूंगा। और गालिब ने कहा था, 'उमर भर मैं यही भूल करता रहा। धूल चेहरे पे थी और मैं आईना साफ करता रहा।' इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि नीति आयोग के आंकड़ों पर आधारित सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने पिछले 8 वर्षों में 6 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी की रेखा से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें अन्य योजनाओं से वंचित किया जाए। उन्हें राशन, स्वास्थ्य और अन्य सभी प्रशासनिक सुविधाएं मिलती रहेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के भाषण के साथ शुरू हुआ, जिसमें विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी की। अपने भाषण में राज्यपाल ने कहा कि राज्य में 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

पश्चिम बंगाल में चुनावी फजीर्वाड़ा, जन्म से पहले बने जन्म प्रमाण पत्र ने खोली मतदाता सूची की पोल

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल के बारानगर विधानसभा क्षेत्र के एक व्यक्ति पर राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) की नजर है, क्योंकि उसने हाल ही में संपन्न हुए मतदाता सूची संशोधन अभियान के दौरान कथित तौर पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। राज्य में इस अभियान के दौरान, संबंधित व्यक्ति ने एक जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जिसमें उसकी जन्मतिथि 6 मार्च, 1993 दर्ज थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने इस पर आपत्ति जताई क्योंकि प्रमाण पत्र जन्म तिथि से दो दिन पहले, यानी 4 मार्च, 1993 को जारी किया गया था। जन्म से दो दिन पहले जन्म प्रमाण पत्र का पंजीकरण असंभव मानते हुए, आयोग ने जल्द ही प्रमाण पत्र को अस्पष्ट घोषित कर दिया। इस मामले के चलते कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने मतदाता पंजीकरण अधिकारी को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 का हवाला देते हुए चिन्हित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जो झूठी जानकारी प्रस्तुत करने को दंडित करती है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में राज्य चुनाव आयोग ने सत्यापन की अंतिम तिथि 21 फरवरी तय की है। आयोग ने भारत निर्वाचन आयोग से समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। एसआईआर मामले की सुनवाई का लगभग पांच प्रतिशत हिस्सा अभी लंबित है। अंतिम मतदाता सूची, जो 14 फरवरी को जारी होनी थी, अब 21 फरवरी को जारी होगी।

राज्यसभा में भाषण के अंश हटाने पर भड़के खरगे , बोले- यह लोकतंत्र पर हमला है

नई दिल्ली एजेंसी: राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि 4 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान दिए गए उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा बिना किसी औचित्य के आधिकारिक अभिलेख से हटा दिया गया। खरगे ने इस कदम को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध बताया और कहा कि हटाए गए अंशों में सरकार की नीतियों की उनकी आलोचनाएं शामिल थीं, जिन्हें विपक्ष के सदस्य के रूप में उजागर करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने हटाए गए अंशों को बहाल करने का भी आग्रह किया। संसद के उच्च सदन में बोलते हुए खरगे ने कहा कि 4 फरवरी, 2026 को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान मैं आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूँ। जब मैंने राज्यसभा की वेबसाइट पर अपलोड किया गया वीडियो देखा, तो मैंने पाया कि मेरे भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बिना किसी उचित स्पष्टीकरण या औचित्य के हटा दिया गया है। समीक्षा करने पर मैंने पाया कि हटाए गए हिस्से में संसद में वर्तमान सरकार के कामकाज पर मेरी टिप्पणियाँ और तथ्यात्मक संदर्भ शामिल थे। मैंने प्रधानमंत्री की कुछ नीतियों की आलोचना भी की, जो विपक्ष के सदस्य के रूप में मेरा कर्तव्य है, विशेषकर तब जब ये नीतियाँ जनता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती प्रतीत होती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पांच दशकों से अधिक समय तक सांसद के रूप में सेवा की है, एक विधायक और संसद सदस्य के रूप में समर्पण के साथ काम किया है, हमेशा गरिमा, शिष्टाचार और भाषा के प्रति सम्मान को बनाए रखा है। इसलिए, मैं विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि मेरे भाषण के जिन अंशों को हटाया गया है, उन्हें बहाल किया जाए, क्योंकि उनमें कोई असंसदीय या मानहानिकारक शब्द नहीं हैं, और न ही वे नियम 261 का उल्लंघन करते हैं। मेरे भाषण के इतने बड़े हिस्से को हटाना लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध है। राज्यसभा अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने खरगे की हटाए गए बयानों को बहाल करने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए

सेवानिवृत्त फौजियों के लिए किताब लिखने पर नए नियम? नरवणे विवाद पर सरकार ने अपना रुख किया साफ

नई दिल्ली एजेंसी: पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरणों को लेकर चल रहे विवाद के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों के लिए पुस्तक लेखन संबंधी नए दिशानिर्देश लाने के किसी प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि ऐसे मामलों के लिए पहले से ही नियम और कानून मौजूद हैं, जिनमें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य मुद्दा दिशानिदेर्शों का अभाव नहीं है, बल्कि यह है कि क्या किसी मौजूदा नियम का उल्लंघन किया गया है। राजेश कुमार सिंह ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मुझे इस विशेष मुद्दे की जानकारी नहीं है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं कि क्या नए दिशानिदेर्शों पर विचार किया जा रहा है। मौजूदा दिशानिर्देश हैं और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम लागू होता है। इस मामले में मुद्दा यह नहीं है कि दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं; मुद्दा यह है कि क्या किसी ने उनका उल्लंघन करने की कोशिश की है। सार्वजनिक सूत्रों से मुझे पता चला है कि एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। हालांकि, मुझे किसी नए दिशानिर्देश की जानकारी नहीं है, और वैसे भी, संवेदनशील मामलों में मौजूदा दिशानिर्देश और मौजूदा कानून, विशेष रूप से ओएसए, लागू होते हैं। यह घटना तब सामने आई जब राहुल गांधी ने लोकसभा में जनरल नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का हवाला देने की कोशिश की, जिससे बजट सत्र के दौरान चीन के साथ 2020 के गतिरोध का मुद्दा चर्चा में आ गया और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। दिल्ली पुलिस ने 9 फरवरी को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार मंचों पर मिली जानकारी का संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' पुस्तक की एक प्री-प्रिंट प्रति प्रसारित की जा रही है। स्पेशल सेल ने "अभी तक स्वीकृत न हुई पुस्तक के कथित रिसाव/उल्लंघन" के संबंध में मामला दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के कथित रिसाव के संबंध में पेंगुइन इंडिया के अधिकारियों से लगातार दो दिनों तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, दोनों दिन पूछताछ कई घंटों तक चली, जिसमें जांचकताओं ने पांडुलिपि और उसकी डिजिटल फाइलों के प्रबंधन और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने संकेत दिया कि जांच आगे बढ़ने के साथ प्रकाशन गृह के प्रतिनिधियों को आने वाले दिनों में फिर से बुलाया जा सकता है।

पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' पर उठे विवाद के बीच रक्षा सचिव ने नए दिशानिदेर्शों की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम जैसे मौजूदा कानून पर्याप्त हैं और अब जांच का केंद्र यह है कि क्या पुस्तक के कथित रिसाव में इन नियमों का उल्लंघन हुआ है

संपादकीय

रेरा को सही फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण अर्थात रेरा को जो कड़ी फटकार लगाई, उसके लिए वही उत्तरदायी है। इस प्राधिकरण का गठन जिन उम्मीदों के साथ किया गया था, वह उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। रेरा की लचर कार्यप्रणाली के चलते न जाने कितने लोग अदालतों का दरवाजा खटखटाने के लिए बाध्य होते हैं और सब जानते हैं कि वहां से न्याय मिलने में समय लगता है। रेरा की निराशाजनक कार्यप्रणाली को इससे समझा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़ा कि उसे बंद करना ही बेहतर है। उसने यह कठोर टिप्पणी भी की कि वह दिवालिया बिल्डरों को राहत देने के अलावा और कुछ नहीं कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि वह फ्लैट खरीदारों के हितों की रक्षा करने के स्थान पर उन बिल्डरों की पक्षधरता करता है, जिन पर उसे निगाह रखनी चाहिए, ताकि वे अपने प्रोजेक्ट समय पर पूरा करें और उनमें मनमाने तरीके से बदलाव न कर सकें। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने रेरा के खिलाफ कठोर टिप्पणी हिमाचल प्रदेश के एक मामले में की हो, लेकिन उसका यह आकलन तो लगभग सभी राज्यों के रेरा पर लागू होता है कि जिन लोगों के हितों की रक्षा के लिए इसे बनाया गया था, वे निराश और हताश हैं और उन्हें कोई प्रभावी राहत नहीं मिल रही। संभवतः इसीलिए उसने यहां तक कहा कि यदि इस संस्था को समाप्त भी कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि समय आ गया है कि सभी राज्य रेरा के नए सिरे से गठन पर विचार करें। इसमें संदेह है कि उसकी ओर से स्पष्ट निर्देश के बिना ऐसा हो सकेगा। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार यह देखे कि सभी राज्यों के रेरा सही तरह काम करें, क्योंकि सबमें खामियां घर कर गई हैं। कई मामलों में यह देखने में आया है कि रेरा ने उन बिल्डरों का बचाव किया, जो फ्लैट खरीदारों से साफ तौर पर वादाखिलाफी कर रहे थे। यदि रेरा के अस्तित्व में होने के बाद भी देश भर में लाखों प्रोजेक्ट अटके पड़े हैं तो इसका अर्थ है कि कहीं कुछ बड़ी गड़बड़ है। बहुत दिन नहीं हुए, जब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष ही यह उजागर हुआ था कि दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में बिल्डरों ने बैंकों से मिलकर लाखों फ्लैट खरीदारों के साथ ठगी की। यह ठगी सबवेंशन स्कीम के जरिये की गई। सबवेंशन स्कीम के तहत किसी परियोजना के तहत स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में भेजी जाती थी। उन्हें घर खरीदारों को फ्लैट सौंपने तक ईएमआइ का भुगतान करना होता था, लेकिन कई मामलों में बिल्डरों ने फ्लैट तैयार किए बिना ईएमआइ का भुगतान बंद कर दिया। इस पर बैंक फ्लैट खरीदारों से शेष ईएमआइ की मांग करने लगे। इसे अन्याय और अंधेर के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता।

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्वयक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं।

गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है।

सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया।

राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारतीय राजनीति की सशक्त और संवेदनशील आवाज थी सुषमा स्वराज

सुरेन्द्र शर्मा

सुषमा स्वराज भारतीय राजनीति की उन विरल हस्तियों में से थीं जिन्होंने अपने व्यक्तित्व, वाक्पटुता, संवेदनशीलता और कार्यकुशलता से जनमानस में विशेष स्थान बनाया। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्रोत, कुशल प्रशासक और करुणामयी नेता थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और विशेष रूप से भारत की विदेश मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल ऐतिहासिक माना जाता है। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा का प्रतीक है।।

सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी 1952 को हरियाणा के अंबाला कैंट में हुआ था। उनके पिता श्री हरदेव शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे, जिससे बचपन से ही उनके भीतर राष्ट्रसेवा की भावना विकसित हुई। उन्होंने अंबाला के सनातन धर्म कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से विधि (एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त की। छात्र जीवन में वे एक उत्कृष्ट वक्ता और सक्रिय छात्रनेता रहीं। वे कई बार ह्यसर्वश्रेष्ठ वक्ताह्न का पुरस्कार जीत चुकी थीं, जिससे उनकी भाषण कला का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सुषमा स्वराज ने बहुत कम आयु में राजनीति में प्रवेश किया। मात्र 25 वर्ष की उम्र में वे हरियाणा विधानसभा की सदस्य बनीं और 27 वर्ष की आयु में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बन गईं। उस समय वे देश की सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री थीं। यह उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और दृढ़ निश्चय का प्रमाण था। उन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई और जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से भी जुड़ी रहीं।

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद सुषमा स्वराज ने पार्टी के संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा की सदस्य रहीं। वर्ष 1998 में वे दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं, हालांकि उनका कार्यकाल अल्पकालिक रहा। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। हर पद पर उन्होंने दक्षता और ईमानदारी से कार्य किया।

सुषमा स्वराज की पहचान एक ओजस्वी वक्ता के रूप में भी रही। संसद में उनके भाषण तार्किक, प्रभावशाली और मर्यादित होते थे। वे विपक्ष में रहते हुए भी अपनी बात मजबूती से रखती थीं और सत्ता में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करती थीं। वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में समान दक्षता से बोलती थीं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण विशेष रूप से सराहा गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान की।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह पद केवल सरकार की आलोचना करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाने, नीतियों की समीक्षा करने और जनता की आवाज को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने का दायित्व भी निभाता है। सुषमा स्वराज ने वर्ष 2009 से 2014 तक 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने अपनी वाक्पटुता, तर्कशक्ति, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से इस पद की गरिमा को नई ऊँचाई दी

नेता प्रतिपक्ष के रूप में सुषमा स्वराज की सबसे बड़ी पहचान उनकी प्रभावशाली और मर्यादित वक्तृत्व शैली थी। वे अपने भाषणों में तथ्यों, तर्कों और उदाहरणों का संतुलित उपयोग करती थीं। उनकी भाषा में तीखापन तो होता था, लेकिन वह कभी व्यक्तिगत कटाक्ष या असंसदीय शब्दों तक नहीं पहुँचता था। वे सरकार की नीतियों की कठोर आलोचना करती थीं, परंतु सदैव संसदीय मयार्दा का पालन करती थीं।

जब भी संसद में कोई महत्वपूर्ण विधेयक या मुद्दा चर्चा के लिए आता, सुषमा स्वराज विपक्ष की ओर से स्पष्ट और सुविचारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती थीं। उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता था, क्योंकि वे केवल विरोध के लिए विरोध नहीं करती थीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव भी देती थीं।

भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मुखर भूमिका 15वीं लोकसभा के दौरान केंद्र में तत्कालीन सरकार के विरुद्ध कई बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जैसे 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला आवंटन घोटाला (कोलगेट), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला आदि। इन मुद्दों पर सुषमा स्वराज ने विपक्ष की ओर से सशक्त आवाज उठाई।

उन्होंने संसद में इन मामलों की निष्पक्ष जाँच और जवाबदेही की मांग की। कई बार संसद में गतिरोध की स्थिति बनी, लेकिन उनका तर्क था कि जब तक गंभीर आरोपों पर स्पष्टता नहीं आएगी, तब तक सरकार को जवाब देना होगा। उनके नेतृत्व में विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग उठाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पान्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीँ इंटरनेट के इस दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बो तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है।

वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नही सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवको के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फासी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए।

कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन । आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा। यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते है प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेडिये ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेडिये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरो की सफाई करते थे साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोक प्रिय हो गई। एक अन्य किंदवंती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिडियों के प्रजनन की शुरूआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोश के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगो में एकरूपता नजर नही आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है।

आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है ? वैलेन्टाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नही है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने मे देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है जहाँ युवक युवतिया प्यार की सही परिभाषा नही जान पाये हैं। वह इस बात को नहीं समझ पा रहे है प्यार को आप एक दिन के लिए नहीं बाँध सकते। वह तो प्यार को हंसी मजाक का खेल समझ रहे है। आज का प्यार मैगी के नूडल जैसा बाजारू बन गया है जो दो मिनट चलता है। सच्चे प्रेमी के लिए तो पूरा साल प्रेम का प्रतीक बना रहता है लेकिन आज के बाजार ने प्यार की परिभाषा बदल दी है। इसका प्रभाव यह है 14 फरवरी को प्रेम दिवस का रूप दे दिया गया है जिसके चलते संसार भर के कपल प्यार का इजहार करने को उत्सुक रहते हैं। जहां चीन में यह दिन नाइट्स ऑफ सेवेन्स प्यार करने वालों के लिए खास होता है, वहीं जापान व कोरिया में इस पर्व को वाइट डे का नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, इन देशों में इस दिन से पूरे एक महीने तक लोग अपने प्यार का इजहार करते हैं। आज 14 फरवरी का कितना महत्व बढ गया है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है इस अवसर पर बाजारों में खासी रौनक छा जाती है। गिफ्ट सेंटर में उमड़ने वाला सैलाब, चहल पहल इस बात को बताने के लिए काफी है यह किस प्रकार आम आदमी के दिलो में एक बड़े पर्व की भांति अपनी पहचान बनने में कामयाब हुआ है। इस अवसर पर प्रेमी होटलों , रेस्तारा में देखे जा सकते हैं।

यूं तो हमारी संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का दूसरा रूप बताया गया है अतः प्रेम करना गुनाह और प्रेम का विरोधी होना सही नहीं होगा लेकिन वैलेंटाइन के नाम पर जिस तरह का पश्चिमीपरस्त विस्तार हो रहा है वह सही नहीं है। वैसे भी यह प्रेम की स्टाइल भारतीय जीवन मूल्यों से किसी तरह मेल नहीं खाती। आज का वैलेंटाइन डे भारतीय काव्य शास्त्र में बताये गए मदनोत्सव का पश्चिमी संस्करण प्रतीत होता है लेकिन बड़ा सवाल जेहन में हमारे यह आ रहा है क्या आप प्रेम जैसे चीज को एक दिन के लिए बाध सकते है? शायद नहीं। एक समय ऐसा था जब राधा, कृष्ण , मीरा वाला प्रेम हुआ करता था जो आज के वैलेंटाइन प्रेमियों का जैसा नहीं होता था। आज लोग प्यार के चक्कर में बर्बाद हो रहे है। हीर- रांझा, लैला- मजनू रोमियो-जूलियट के प्रसंगों का हवाला देने वाले हमारे आज के प्रेमी यह भूल जाते है मीरा वाला प्रेम सच्ची आत्मा से सम्बन्ध रखता था। आज तो प्यार बाहरी आकर्षण की चीज बनती जा रही है। प्यार को गिफ्ट और पॉकेट में तोला जाने लगा है। वैलेंटाइन के प्रेम में फसने वाले कुछ युवा सफल तो कुछ असफल साबित होते है। जो असफल हो गए तो समझ लो बरबाद हो गए क्युकि यह प्रेम रुपी बग बड़ा खतरनाक है। एक बार अगर इसकी जकड में आप आ गए तो यह फिर भविष्य में भी पीछा नहीं छोडेगा। असफल लोगों के तबाह होने के कारण यह वैलेंटाइन डे घातक बन जाता है। वैलेंटाइन के नाम पर आज हमारे समाज में जिस तरह की उद्दंडता हो रही है वह चिंतनीय ही है। संपन्न तबके साथ आज का मध्यम वर्ग और अब निम्न तबका भी इसके मकड़ जाल में फसकर अपना पैसा और समय दोनों खराब करते जा रहे है। आज वैलेंटाइन की स्टाइल बदल गई है। गुलाब, गिफ्ट दिए,पार्टी में थिरके बिना काम नही चलता। यह मनाने के लिए आपकी जेब गर्म होनी चाहिए। यह भी कोई बात हुई क्या जहाँ प्यार को अभिव्यक्त करने के लिए जेब की बोली लगानी पड़ती हो ?

आज के समय में वैलेंटाइन प्रेमियों की तादात बढ रही है। साल -दर -साल। इस बार भी प्रेम का सेंसेक्स पहले से ही कुलाचे मार रहा है। वैलेंटाइन ने एक बड़े उत्सव का रूप ले लिया है। मॉल , गिफ्ट, आर्चीस , डिस्को थेक का आज इससे चोली दामन का साथ बन गया है। अगर आप में यह सब कर सकने की सामर्थ्य नही है तो आपका प्रेमी नाराज। बस फिर प्रेम का द एंड समझे। प्यार का स्टाइल समय बदलने के साथ बदल रहा है। वैलेंटाइन प्रेमी भी हर साल बदलते ही जा रहे है। आज प्यार की परिभाषा बदल गई है। वैलेंटाइन का चस्का हमारे युवाओ में तो सर चढ़कर बोल रहा है लेकिन उनका प्रेम आज आत्मिक न होकर क्षणिक बन गया है। उनका प्यार पैसों में तोला जाने लगा है। आज की युवा पीढ़ी को न तो प्रेम की गहराई का अहसास है न ही वह सच्चे प्रेम को परिभाषित कर सकती है। उनके लिए प्यार मौज मस्ती और सैर - सपाटे का खेल बन गया है जहाँ बाजार में प्यार नीलाम हो गया है और पूरे विश्व में इस दिन प्यार के नाम पर मुनाफे का बड़ा कारोबार किया जा रहा है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था।

चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश ($2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।

यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से ₹बहुत मैत्रीपूर्ण₹ चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है।

वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी ₹समानता-आधारित₹ पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।

यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर ₹बराबरी के रिश्ते₹ चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां ₹इंडिया-न्यूट्रल₹ मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया–जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, 'बांग्लादेश फर्स्ट' नारा यानी ₹ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश' कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने 'री-अश्योरेंस सिग्नल' माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

कावड़ियों की सेवा में जुटा चिकित्सा विभाग, लगाए गए स्वास्थ्य शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क और अलर्ट मोड पर है। इस पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु शिव मंदिरों में दर्शन करने और कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए निकलते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता बढ़ जाती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह ने बताया कि जिले के सभी प्रमुख कांवड़ मार्गों पर एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। ये एम्बुलेंसें 24 घंटे तैनात रहेंगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके।उन्होंने आगे कहा कि मुख्य मार्गों और व्यस्त स्थानों पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी, जो श्रद्धालुओं को प्राथमिक जांचें प्रदान करेगी। इससे यात्रियों को बेहतर और त्वरित इलाज मिल सकेगा, खासकर गर्मी, थकान या छोटी-मोटी चोटों के मामलों में। स्वास्थ्य विभाग ने जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन और अन्य जरूरी उपकरणों से लैस टीमों को तैयार रखा है।यह व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने पहले से ही सभी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश जारी किए हैं। डॉ. योगेंद्र सिंह ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे स्वस्थ रहें, पानी और आवश्यक दवाएं साथ रखें तथा किसी असुविधा पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य शिविर या एम्बुलेंस से संपर्क करें। प्रशासन की यह पहल महाशिवरात्रि को सुरक्षित और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बम बम भोले के जयकारों से गूंजी अमरोहा की सड़के

कांवड़ियों से भरकर चलीं सड़कें, पुलिस ने रूट डायवर्जेट प्लान किया लागू

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव पर जल अभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों ने अमरोहा की सड़कों को भक्तिमय बना दिया है। जिसके चलते अमरोहा की सड़के बम बम भोले के जयकारों से गूंजतीं नजर आ रही है। शुक्रवार को हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के जत्थों ने गजरौला- धनौरा मार्ग एवं नेशनल हाईवे को पूरी तरह से ढक लिया। उधर सड़कों पर बढ़ती हुई कावड़ियों की संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अपना रूट डायवर्जेट प्लान लागू कर दिया, जिसके तहत हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए

वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जा रहा है। यह रूट डायवर्जन योजना 15 फरवरी की शाम छह बजे तक लागू रहेगी।शुक्रवार की शाम से हाईवे को वन-वे किया गया।मुरादाबाद से दिल्ली लेन पर कार, पिकअप और अन्य छोटे वाहन दोनों दिशाओं में चलेंगे, जबकि दिल्ली से मुरादाबाद लेन केवल कांवड़ियों के लिए आरक्षित है। बिजनौर मार्ग पर यातायात पूरी तरह बंद किया गया है। पुलिस की टीमें जगह-जगह बैरियर लगाकर वाहनों को डायवर्ट कर रही हैं।

कांवड़ यात्रा हेतु किया गया रूट डायवर्जन

बरेली से दिल्लीः सभी भारी वाहन आंवला, शाहबाद, बिलारी, चंदौसी, बबराला, डिबाई/नरौरा, बुलंदशहर होते हुए दिल्ली भेजे जाएंगे। रामपुर से दिल्लीः सभी भारी वाहन शाहबाद, बिलारी, चंदौसी, बबराला, नरौरा होते हुए दिल्ली की ओर। मुरादाबाद से दिल्लीः सभी भारी वाहन सम्भल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर, सिकंदराबाद होते हुए गाजियाबाद और दिल्ली। मुरादाबाद से मेरठः टीएमयू बगल से अगवानपुर बाईपास, छजलैट, नूरपुर, बिजनौर, बैराज, मीरापुर, मवाना। संभल से दिल्लीः बहजोई, बरबाला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर। अन्य मार्गों पर भी भारी वाहनों को डायवर्ट किया गया है ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।टीएसआई अनुज मलिक ने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है और हाईवे पर कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल हाईवे पर मौजूद हैं और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जा रहा है।बड़े कांवड़ियों के जत्थे हरिद्वार से आ रहे हैं, जिसके चलते बिजनौर मार्ग पर भी यातायात शून्य कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि यह योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मार्ग पर सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

गजरौला सलेमपुर मार्ग पर महाकाल सेवा समिति के सौजन्य से भंडारे का आयोजन

महाशिवरात्रि पर कावड़ियों की सेवा हेतु हर वर्ष किया जाता है भंडारे का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग पर 'महाकाल सेवा समिति' की तरफ से कांवड़ियों की सेवा हेतु प्रतिवर्ष एक विशाल भंडारे का आयोजन कराया जाता है। जिसके तहत हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गजरौला सलेमपुर मार्ग पर समिति की तरफ से भंडारे का आयोजन कराया गया है। इसके बारे में जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष गौरव गोस्वामी ने बताया कि हमारी समिति हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटने वाले कावड़ियों की सेवा हेतु प्रतिवर्ष यहां पर एक विशाल भंडारे का आयोजन कराती है। जिसमें कांवड़ियों की सेवा हेतु उनके लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिसमें भंडारे के दौरान कांवड़ियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था ,रात्रि में विश्राम के लिए रजाई व गद्दों की व्यवस्था, यदि किसी कड़िया को शारीरिक संबंधी कोई समस्या होती है तो उसके लिए औषधि की व्यवस्था भी की जाती है। इसके अलावा समिति के सदस्यों द्वारा यहां पर रात्रि में विश्राम करने वाले कावड़ियों का विशेष ध्यान रखा जाता है जिससे कि किसी कांवड़िये को किसी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि हमारी समिति पिछले 6 सालों से गजरौला सलेमपुर मार्ग पर स्थित प्याऊ मंदिर पर इस विशाल भंडारे का आयोजन कराती आ रही है और भगवान शिव के आशीर्वाद से आगे भी इसी तरह से यहां पर भंडारे का आयोजन होता रहेगा।

जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग की ट्राफी नारी वॉरियर ने कब्जाई

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग का फाइनल मैच नारी वॉरियर की टीम ने शक्ति स्कवॉड को आठ विकेट से हराकर ट्राफी जीत ली। विजेता टीम की शालिनी शर्मा को मैन ऑफ दि मैच, मैन ऑफ दि सिरीज एवं सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के खिताब से नवाजा गया। शुक्रवार को जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी में स्थित क्रिकेट मैदान में जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने दोनों टीमों के बीच टॉस कराया। शक्ति स्कवाड की टीम की कप्तान प्रिया प्रताप ने टॉस जीतकर पहले मैदान में उतरने का फैसला लिया। इस टीम के सभी खिलाड़ियों ने निर्धारित 12 ओवर में 55 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया। जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी अंजू राठी के नेतृत्व वाली नारी वॉरियर की टीम आते ही मैदान में छा गई। धुआंधार बैटिंग की बदौलत इस टीम ने 11 ओवर में ही आठ विकेट से मैच जीत लिया। विजेता टीम की शालिनी शर्मा ने सर्वाधिक 23, चंचल ने आठ, रीता परिहार ने सात, नम्रता ने तीन और प्रीति ने एक रन का योगदान दिया। बेस्ट बॉलर स्वाति मरेठिया, बेस्ट कीपर वैष्णवी द्वेदी, बेस्ट फील्डर अंशिका, कैच ऑफ दि मैच अनामिका, हाइएस्ट सिक्सर का अवार्ड रीता परिहार को मिला। मुख्य अतिथि एचआर हेड पुनीत तिवारी एवं रितु तिवारी ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्राफी एवं अन्य पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर कपिल जोशी, मैच के स्कोरर आशु वर्मा, महेश कुमार, एंपायर विष्णु राणा, संजय सिंह, सुनील तिवारी, ऊषा वर्मा, अर्चना पांडेय, वंदना सिंह आदि भी मौजूद रहे।

जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही से झोलाछापों में मचा हड़कंप, अपंजीकृत 4 अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के सख्त निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध चिकित्सा केंद्रों के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में क्षय रोग अधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल त्रिवेदी ने धनौरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने कोहिनूर हॉस्पिटल, दुआ क्लिनिक, लाइफलाइन केयर हॉस्पिटल और ग्रीन हॉस्पिटल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान लाइफलाइन केयर हॉस्पिटल में गंभीर अनियमितता पाई गई। यहां

बृहस्पतिवार को एक महिला की बच्चेदानी में रसौली का ऑपरेशन और शुक्रवार सुबह प्रसव कराया गया था, लेकिन दोनों मरीज अभी भर्ती थे और कोई भी पंजीकृत चिकित्सक मौजूद नहीं था। स्टाफ के असंतोषजनक जवाब पर डॉ. त्रिवेदी ने ऑपरेशन थिएटर को तुरंत सील कर दिया।यह कार्रवाई झोलाछापों के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है, जिससे जिले में हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि ऐसे अवैध संचालन से मरीजों की जान जोखिम में पड़ती है। डॉ. त्रिवेदी ने जनता से अपील की है कि इलाज केवल पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त अस्पतालों या चिकित्सकों से ही कराएं। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। जिलाधिकारी के प्रयासों से अवैध प्रैक्टिस पर लगाम लग रही है।

गजरौला में 'स्वच्छ बसंत प्रतियोगिता' के तहत अधिशासी अधिकारी ने नगरवासियों से की अपील

नगर को स्वच्छ,सुंदर एवं हरित बनाने में निभाएं सहभागिता

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में स्वच्छ वसंत प्रतियोगिता के अंतर्गत नगर पालिका परिषद गजरौला के अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने नगर की जनता से अपील करते हुए सबसे पहले नगर वासियों को स्वच्छ बसंत उत्सव की शुभकामनाएं दी ,इसके बाद उन्होंने नगर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग की तरफ से चलाई जा रही स्वच्छ वसंत उत्सव प्रतियोगिता मुहिम के तहत सभी नगर वासी नगर को स्वच्छ , सुंदर एवं हरित बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी नगर वासी अपने घर में इकट्ठा किया गया गीला कूड़ा एवं सुख कूड़ा अलग-अलग करके रखें ,सूखे कूड़े को नगर में घूमने वाली कूड़ा गाड़ी में डालें जिसको हम एमआरएफ सेंटर पर भेजेंगे और गीले कूड़े को आप कंपोस्ट के माध्यम से खाद बनाएं और उसे अपने घर में बने गार्डनकी मिट्टी,गमलों में लगे पेड़ पौधों में डालें,

यदि आप ऐसा ना भी कर सकें तो आप उस गीले कूड़े को हमारे कम्युनिटी कंपोस्टर के माध्यम से हम तक पहुंचाएं, हम उस कूड़े को खाद बनाकर आपको वापस करेंगे। इसके अलावा उन्होंने नगर वासियों से स्वच्छता के नियमों का पालन करने, कचरा पृथक्करण अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण करने का भी आग्रह किया।

धनौरा में फर्जी आग की सूचना पर दौड़ी फायर ब्रिगेड की टीम, घंटों परेशान रहे फायर कर्मी

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार के बजट के बारे में दी जानकारी,कहा-बजट में रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास को दी गई है प्राथमिकता

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा क्षेत्र में किसी अज्ञात युवक द्वारा दमकल विभाग की टीम को फर्जी आग लगने की सूचना दे दी गई, इस पर दमकल विभाग की टीम क्षेत्र में घंटों दौड़ती रही लेकिन आग लगने का कहीं ठिकाना नहीं मिला। जिसके लिए फायर ब्रिगेड की टीम घंटों परेशान रही। बताया जा रहा है किसी ने शराब के नशे में दमकल विभाग को झूठी कॉल करके आग लगने की सूचना दी थी। वहीं दूसरी ओर कावड़ यात्रा को लेकर शासन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट दिखाई दे रहा है तो वहीं समाज में रहने वाले कुछ शरारती तत्व व्यवस्थाओं को बाधित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मिली झूठी सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम गजरौला से धनोरा मार्ग पर घंटो इधर से उधर घूमती रही।उधर आग लगने की फर्जी सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों ने संसाधनों की बबार्दी पर नाराजगी जताई है। बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग 11 बजे फायर ब्रिगेड विभाग को सूचना मिली

कि धनौरा तहसील क्षेत्र के शेरपुर गांव में भीषण आग लगी है। कांवड़ मेले को देखते हुए पहले से ही मुस्तैद फायर ब्रिगेड की टीम ने बिना समय गंवाए कार्रवाई शुरू कर दी।फायर ब्रिगेड के ड्राइवर मुकेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम तुरंत गजरौला से शेरपुर की ओर रवाना हुई। भारी यातायात और कांवड़ियों की भीड़ के बीच रास्ता बनाते हुए टीम ने जल्द से जल्द घटना स्थल पर पहुंचने की कोशिश की।धनौरा में शेरपुर रोड पर पेट्रोल पंप के पास पहुँचते ही टीम को आश्चर्य हुआ। गांव में पूरी तरह स्थिति सामान्य थी। छानबीन के बाद पता चला कि आग लगने की कोई नई घटना नहीं हुई थी।मुकेश कुमार ने बताया कि शेरपुर में आग लगने की घटना पहले भी हुई थी, लेकिन शुक्रवार को आए कॉल के आधार पर कोई वास्तविक संकट नहीं था।पता चला कि शराब के नशे में एक युवक ने पुरानी घटना को लेकर फायर ब्रिगेड को फोन किया था। उसकी इस हरकत से विभाग को कीमती समय और संसाधनों का नुकसान हुआ। टीम को बिना किसी कार्रवाई के वापस लौटना पड़ा।कांवड़ यात्रा के इस संवेदनशील समय में इस तरह की फर्जी कॉल ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आपातकालीन सेवाओं के साथ ऐसा मजाक करना दंडनीय अपराध है।अधिकारियों ने कहा कि यदि उसी समय कहीं और वास्तविक आग लगती, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। इस तरह के व्यवहार से न केवल संसाधनों की बबार्दी होती है, बल्कि जनता की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है।

अब मोबाइल नंबर के आधार पर युवक की पहचान कर उसकी खोज की जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में इस तरह की किसी भी फर्जी कॉल को गंभीरता से लिया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फायर ब्रिगेड विभाग ने भी कहा कि टीम हमेशा अलर्ट रहेगी और किसी भी असली आपातकाल के लिए तत्पर है।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद, हसनपुर का किया गया वार्षिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नगर पालिका परिषद, हसनपुर का वार्षिक निरीक्षण किया। नगर पालिका परिषद हसनपुर में लेखा अनुभाग, निर्माण/जलकर विभाग, गृहकर/ जन्म-मृत्यु विभाग, अधिशासी अधिकारी कार्यालय आदि का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होनें लेखा अनुभाग का निरीक्षण में जानकारी प्राप्त की कि कितने सफाई कर्मचारी है जिनमें से कितने नियमित, कितने संविदा पर कार्यरत है और वह कहां कार्य कर रहे है कि वित्तृत जानकारी प्राप्त कर संविदा एवं आउटसोर्सिंग कार्मिकों का समय से वेतन देने एवं उनके पी0एफ0 बुक देने के निर्देश दिए। तदोपरान्त उन्होने लेखा विभाग के अन्तर्गत अधिष्ठान में सर्विस बुक का निरीक्षण किया जो कि पूर्ण पाई गई। उन्होनें टी0डी0एस0 कटौती, एन0पी0एस0 की एन्ट्री, कितने के खिलाफ कार्यवाही चल रही है आदि की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कर-करेत्तर में कितनी वसूली हुई है कितनी अभी अवशेष है की बारे में जानकारी प्राप्त की। गृहकर/जन्म-मृत्यु विभाग की समीक्षा करते हुये उन्होने जन्म-मृत्यु

प्रमाण पत्र रजिस्टर का अवलोकन के साथ-साथ प्राप्त आवेदन के सापेक्ष कितनों का निस्तारण, कितनी समयावधि में पूर्ण किया आदि से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिये कि जो भी आवेदन आये उनको समय के साथ पूर्ण करें ताकि कोई लम्बित प्रकरण न रहे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सर्विस बुक पर फैमिली फोटो अवश्य लगे। जिलाधिकारी ने वार्डवार आवासीय/ अनवासीय घरों के टैक्स की समीक्षा की और जानकारी प्राप्त की कि कितने प्रतिशत टैक्स की वूसली की गई है। उन्होनें कहा कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा गृहकर में मांग बढ़ानी चाहिए और मांग के सापेक्ष वसूली भी समय से हो। और संबंधित अमीन को निर्देशित करें कि फील्ड में जाकर टैक्स की वसूली करें। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि जो तहसील के बड़े बकायेदार हैं जिन पर टैक्स अधिक है उनको नोटिस जारी करें, नोटिस के उपरांत भी वह टैक्स नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ आर0सी0 जारी कर आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि गृहकर का जो रजिस्टर है उसे अपडेट करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद हसनपुर में बनाए गए नए सभाकक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया और नगर पालिका परिषद के अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी हसनपुर आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपपस्थित रहें।

जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया ने विकासखंड बहजोई कार्यालय का किया निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने एस आई आर को लेकर विकासखंड बहजोई कार्यालय का विशेष गहन पुनरीक्षण किया। उन्होंने कलक्ट्रेट परिसर स्थित इस कार्यालय में विभिन्न कार्यों की समीक्षा की, व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी प्राप्त की। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यालय परिसर की साफ-सफाई को लेकर भी जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश जारी किए, ताकि कार्यस्थल पर उचित स्वच्छता और अनुशासन बना रहे।

इसके बाद डॉ. पैंसिया ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित सरस हॉट शोरूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कलक्ट्रेट के बाहर स्थित इस शोरूम में जाकर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया और संबंधित अधिकारियों को बेहतर संचालन के लिए जरूरी सुझाव एवं निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, डिप्टी कलक्टर निधि पटेल और डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

थानों में SPEL 3.0 कार्यक्रम स्कूली छात्रों को पुलिसिंग की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान

सम्भल (सब का सपना):- प्रदेश पुलिस द्वारा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से चलाए जा रहे स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरियंशियल लर्निंग (SPEL) 3.0 कार्यक्रम के तहत थाना चन्दौसी और थाना हयातनगर में स्कूली छात्रों को पुलिस कार्यप्रणाली की गहन समझ प्रदान की गई। इस अनुभवात्मक कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, कानून का सम्मान, सामाजिक जागरूकता और पुलिस के साथ बेहतर समन्वय विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पुलिसिंग की बुनियादी जानकारी दी गई, अनुशासन, ड्रिल और परेड का व्यावहारिक प्रशिक्षण मूल कानून-व्यवस्था की समझ ट्रैफिक मैनेजमेंट के नियम और व्यवहारिक अनुभव साइबर सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता और सावधानियां महिला सुरक्षा के विभिन्न पहलू और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी सामाजिक जागरूकता अभियान चलाने की तकनीकें पुलिस स्टेशन और नियंत्रण कक्ष का एक्सपोजर विजिट, जहां छात्रों ने दैनिक कार्यप्रणाली।

नेतृत्व एवं सामाजिक सेवा लिए प्रेरित हुए हैं। SPEL 3.0 जैसे कार्यक्रम पूरे प्रदेश में विभिन्न थानों और जिलों में सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं, जिससे युवा पीढ़ी पुलिस और समाज के बीच मजबूत सेतु बन रही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर डीडीए का नोटिस जारी, साउथ दिल्ली के 123 विवादित भूखंडों का होगा दोबारा अधिग्रहण

नई दिल्ली। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) ने साउथ दिल्ली के अलग-अलग गांवों में मौजूद जमीन के 123 विवादित हिस्सों को फिर से हासिल करने के लिए एक पब्लिक नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई कई जमीन अधिग्रहण मामलों में सुप्रीम कोर्ट के हालिया निदेशों के बाद की जा रही है। डीडीए के लैंड मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की तरफ से जारी नोटिस के मुताबिक, यह फिर से हासिल करने का प्रोसेस, जमीन अधिग्रहण, पुनर्वास और फिर से बसाने में सही मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार एक्ट, 2013 के सेक्शन 24(2) के तहत किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, संबंधित अथॉरिटी ने मामलों की समीक्षा की है और 123 जमीन के हिस्सों को फिर से हासिल करने की सिफारिश की है, जबकि 25 मामलों में आगे न बढ़ने का फैसला किया है। प्रभावित गांवों में पालम, लाडो सराय, जसोला, नेब सराय, मैदान गढ़ी, छतरपुर, सतबारी, महरौली, तुगलकाबाद, किलोकरी, नजफगढ़, टिकरी कलां और महिपालपुर वगैरह शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ये प्लॉट असल में डीडीए ने 1980 में प्लान्ड डेवलपमेंट के लिए लिए थे। उस समय मुआवजा दिया गया था, लेकिन कई जमीन मालिकों ने इस अधिग्रहण को चुनौती दी, जिससे लंबी कानूनी लड़ाई चली।

सुप्रीम कोर्ट ने बाद में फैसला सुनाया कि डीडीए पब्लिक इंटरेस्ट में जरूरी होने पर जमीन को दोबारा ले सकता है। डीडीए ने इन प्लॉट के रहने वालों और खरीदारों को चेतावनी दी है कि वे इन जमीनों पर कोई भी लेन-देन न करें, क्योंकि अब ये डीडीए की प्रॉपर्टी हैं और दोबारा लेने की प्रक्रिया के तहत हैं। डीडीए ने इन मामलों की डिटेल्स अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड कर दी हैं।

मीजल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान 16 फरवरी से होगा शुरू

संभल(सब का सपना):- मीजल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान अभियान के तहत कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले लगभग 1.80 लाख बच्चों को खसरा और रूबेला जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाव के लिए एमआर का टीका मुफ्त लगाया जाएगा। यह अभियान भारत सरकार के राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26 का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2026 तक देश से इन दोनों बीमारियों को पूरी तरह खत्म करना है। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 16 से 27 फरवरी तक चलने वाले इस 12 दिवसीय अभियान में विशेष ध्यान स्कूलों और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों पर है। टीकाकरण दिवस बुधवार और शनिवार के अलावा अन्य दिनों में भी सत्र चलेंगे। रमजान को ध्यान में रखते हुए 18 फरवरी से रमजान शुरू होने के कारण पहले ही 84 मदरसों में अभियान चलाकर 3,891 बच्चों को टीका लगाया जा चुका है। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. तरुण पाठक की अध्यक्षता में हुई प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी गई। डॉ. पाठक ने बताया कि अभियान की सफलता के लिए प्रतिदिन शाम को समीक्षा बैठकें होंगी और किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से अपील की है कि वे इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने में पूरा सहयोग दें। टीका सुरक्षित और प्रभावी है, जो बच्चों को खसरा (मीजल्स) और रूबेला से होने वाली गंभीर जटिलताओं से बचाता है। अभियान में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई, डिप्टी सीएमओ डॉ. मनमोहन शर्मा सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

अतिक्रमण के खिलाफ चांदनी चौक में व्यापारियों का प्रदर्शन, 100 से ज्यादा संगठनों ने निकाला विरोध मार्च

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में अवैध रेहड़ी-पटरी वालों के कब्जों के साथ ही अन्य समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने टाउन हाल से लाल जैन मंदिर तक विरोध मार्च निकाला। जिसमें 100 से अधिक कारोबारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। इसी तरह, व्यापारी तथा स्थानीय निवासी भी विरोध मार्च में जुड़े। सभी ने एकजुटता से बाजारों में हुए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध ठोस कार्रवाई की मांग की। विरोध मार्च में चांदनी चौक, खारी बावली, सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, कूचा महाजनी, नया बाजार, चावड़ी बाजार, हौजकाजी, मोरी गेट समेत अन्य बाजारों के कारोबारी संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल रहे। इसके पूर्व व्यापारियों ने इस तरह का विरोध मार्च चार फरवरी को सदर बाजार में भी निकाला था। दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने कहा कि एमसीडी व दिल्ली पुलिस कर्मियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से पुरानी दिल्ली के बाजारों में अतिक्रमण की समस्या विकराल होती जा रही है।

दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन (डीएचएमए के महासचिव श्रीभगवान बंसल ने कहा कि चांदनी चौक मुख्य मार्ग को बड़े दावे-वादों के साथ मोटर वाहन मुक्त घोषित किया गया था, उस वक्त ही व्यापारियों ने अंदेशा जताया था कि खाली सड़क, फुटपाथ और सेंट्रल वर्ज पर रेहड़ी- पटरी वालों का कब्जा हो जाएगा। वहीं हुआ। आज स्थिति पहले से भी बदतर स्थिति में आ गई है।

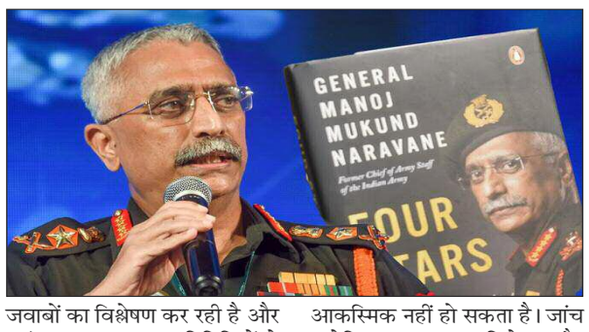

मिशन शक्ति 5.0 के तहत सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान का किया आयोजन

सम्भल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण (फेज-5.0) के अंतर्गत जनपद सम्भल पुलिस ने आज विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में एंटी रोमियो स्क्वॉयड की टीमों ने प्रमुख बाजारों, चौराहों, कस्बों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सक्रियता दिखाई। महिला पुलिसकर्मियों ने बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं को पम्पलेट वितरित किए तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण प्रदान करना है। पुलिस द्वारा महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें सरकारी योजनाओं और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जा रही है। मिशन शक्ति 5.0 उत्तर प्रदेश में सितंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया था, जिसका फोकस नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर है। सम्भल पुलिस की यह पहल राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें किसी भी प्रकार की असुरक्षा से मुक्त रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली पुलिस ने पेंगुइन के प्रतिनिधियों से की पूछताछ, साजिश के पहलू पर जांच शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सेवानिवृत्त थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण के कथित लीक की जांच के सिलसिले में पेंगुइन इंडिया के प्रतिनिधियों से पूछताछ की है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या किसी ने रक्षा मंत्रालय की अनुमति लेने की अनिवार्य शर्त को दरकिनार करने की भी कोशिश की थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्पेशल सेल ने प्रकाशक को करीब 15 सवालों के जवाब मांगने वाला नोटिस जारी किया था और बुधवार को उनके गुरुग्राम स्थित कार्यालय का दौरा भी किया था। गुरुवार को कंपनी के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए और अन्य के लिए समय मांगा। पुलिस जवाबों का विश्लेषण कर रही है और प्रबंधन तथा प्रकाशन प्रतिनिधियों से आगे भी पूछताछ की जा सकती है। आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं को भी केस में किया शामिल जांचकताओं ने मौजूदा प्राथमिकी में आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं को शामिल किया है, क्योंकि उन्हें संदेह है कि यह लीक आकस्मिक नहीं हो सकता है। जांच अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न देशों में पूर्व-मुद्रण प्रतियों की कथित बिक्री या वितरण पर केंद्रित है। एक जांचकर्ता ने बताया है कि संदेह है कि पहली बार लीक हुई जानकारी कथित तौर पर ब्रिटिश महासागर क्षेत्र से जुड़े .ङ्क डोमेन एक्सटेंशन पर अपलोड की गई थी, जिसके बाद यह कई अन्य होस्टिंग प्लेटफॉर्म पर भी दिखाई दी। ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट और कॉपीराइट अधिनियम की धाराएं भी जोड़ीं दिल्ली पुलिस ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब (फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी) के ऑनलाइन लीक और अनधिकृत सकुर्लेशन को लेकर दर्ज मामले में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट और कॉपीराइट अधिनियम की धाराएं जोड़ दी हैं। पुलिस ने यह कदम तब उठाया जब बिना जरूरी मंजूरी के किताब के अंश सोशल मीडिया पर साझा किए गए। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की विशेष सेल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है कि संवेदनशील पांडुलिपि कैसे सार्वजनिक हुई।

कलक्ट्रेट सभागार में जनगणना समन्वय समिति की बैठक

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने जनगणना की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। प्रथम चरण में मकान गणना 22 मई से 20 जून 2026 तक होगी। इसके लिए संबंधित विभागों से कर्मचारियों व शिक्षकों की सूची तहसीलों व नगरीय निकायों को भेज दें, ताकि प्रगणकों व सुपरवाइजर्स की नियुक्ति, ट्रेनिंग आदि समय पर पूरी हो सके।बैठक में उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर विकास चंद्र, डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, तहसीलदार चंदौसी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संभल सहित सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

केनरा बैंक आरसेटी संभल-बहजोई ने मनाया वित्तीय जागरूकता सप्ताह

बहजोई/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केनरा बैंक का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई केंद्र निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यहां सहायक बुककीपर, ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग और उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक कोर्स चलाए जा रहे हैं, जो युवाओं को स्वरोजगार की मजबूत नींव दे रहे हैं। आरसेटी न केवल केंद्र पर, बल्कि दूरस्थ गांवों में भी प्रशिक्षण दे रहा है। इसी कड़ी में संस्थान ने 'वित्तीय जागरूकता सप्ताह' मनाया, जिसकी थीम 'सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम' रही। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को सुरक्षित बैंकिंग अभ्यास, लोन के प्रकार, ईएमआई अवधारणा और सीबिल स्कोर की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई।कार्यक्रम में आरसेटी संभल के निदेशक विनीत तिवारी, केनरा बैंक बहजोई शाखा प्रबंधक सावन कुमार और डीएमएम NRLM संभल शिराज अनवर उपस्थित रहे। तिवारी ने बताया कि संस्थान जन सहयोग से केंद्र से बाहर भी प्रशिक्षण आयोजित करता है। अब तक 1800 से अधिक युवाओं ने विभिन्न कोर्स पूर्ण किए हैं, जिनमें से कई ने स्वरोजगार शुरू किया तो कई ने अच्छी नौकरियां पाई।वर्तमान में मत्स्य पालन और डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) के दो बैचों में 70 युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भविष्य में आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री और बीसी कोर्स शुरू होंगे। साथ ही, 1 फरवरी से डीटीपी और 15 फरवरी से पार्लर व सिलाई बैचों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। इच्छुक युवा आरसेटी कार्यालय बहजोई से संपर्क कर सकते हैं।यह पहल ग्रामीण बेरोजगारी दूर करने और आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अधिक जानकारी के लिए सीबीआरसेटी बहजोई, रोटरी क्लब भवन के निकट सिल्वर स्टोन स्कूल, संभल रोड, बहजोई।

महाशिवरात्रि पर स्वच्छ व जगमग होगा अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना):- इस वर्ष महाशिवरात्रि पर नगर वासियो को गत वर्ष से बेहतर नगरीय व्यवस्था दिए जाने हेतु पालिका प्रशासन ने पूरी तैयारी कर लीं है। आपको बता दें की महाशिवरात्रि पर्व इस वर्ष आगामी दिनांक 15 फरवरी को देशभर मे मनाया जायेगा। महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान भोलेनाथ के भक्तो द्वारा कांवर (जल) लाकर भगवान महादेव का नगर के शिवालयो विशेषकर वासुदेव तीर्थ व बाबा गंगानाथ मंदिर मे जाकर जलाभिषेक किया जाता है। महाशिवरात्रि पर्व पर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा प्रत्येक वर्ष कांवड़ यात्रियों, श्रद्धांलुओं की सुविधा एवं इस पर्व के दृष्टिगत सम्पूर्ण नगर क्षेत्र मे विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं। इस वर्ष नगरवासियो को गत वर्षो से बेहतर व्यवस्था दिए जाने के उद्देश्य से पालिका प्रशासन ने तैयारी की है नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन व पालिका उपनगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा इस महाशिवरात्रि पर्व पर गत वर्षो से बेहतर नगरीय सुविधाएँ दिए जाने के लिए पालिका उप नगर आयुक्त द्वारा अधीनस्थ पालिका अधिकारियो व कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। नगर के वासुदेव तीर्थ व बाबा गंगानाथ मंदिर सहित नगर के प्रमुख मंदिरो, शिवालयो के आस पास बेहतर सफाई, जल छिड़काव व चूना आदि की व्यवस्था के लिए पालिका के समस्त सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों की ड्यूटी लगायी गयी है। कांवड़ यात्रियों की सुविधा एवं सुगमता के लिए समस्त कांवड़ मार्गो पर निर्बाध पथ प्रकाश व्यवस्था किये जाने के उद्देश्य से कांवर मार्गो पर लगे हुए समस्त प्रकाश बिन्दुओ की जाँच कर बंद एवं खराब प्रकाश बिन्दुओ को सुचारु किये जाने के आदेश अवर अभियंता जल / प्रकाश प्रभारी को दिए गए हैं। महाशिवरात्रि पर्व पर सम्पूर्ण नगर क्षेत्र मे निर्बाध एवं निरंतर जलापूर्ति के आदेश जारी कर विधुत आपूर्ति बाधित होने की दशा मे जेनेरेटर से जलापूर्ति किये जाने हेतु अवर अभियंता जलकल का दायित्व निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त कांवड़ यात्रियों की सुगमता के लिए समस्त कांवड़ मार्गो का निरीक्षण कर यदि कंही क्षति ग्रस्त मार्ग पाया जाये तो उसकी तत्काल मरम्मत किये जाने के लिए पालिका अवर अभियंता निर्माण की ड्यूटी लगायी गयी है। साथ ही कांवड़ मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने एवं महाशिवरात्रि आयोजन मे प्रतिबंधित प्लास्टिक / थमाकौल से निर्मित उत्पादों की रोकथाम हेतु पालिका के कर अनुभाग की ड्यूटी लगायी गयी है। पालिका के उपनगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा नगर वासियो से अपील की गयी है की नगर पालिका परिषद अमरोहा समस्त नगरवासियो को बेहतर एवं उत्कृष्ट नगरीय सुविधाएँ / व्यवस्थाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है समस्त नगर वासियो से अपील है की अमरोहा नगर को और अधिक बेहतर, सुन्दर व स्वच्छ बनाये जाने के नगर पालिका परिषद अमरोहा के प्रयासों मे सहयोग प्रदान करें एवं जागरूक नागरिक होने का परिचय दे।

गाजीपुर चौपाल में उठीं पानी और सड़क की समस्याएं

अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- विकास खंड नूरपुर के अंतर्गत ग्राम गाजीपुर में आयोजित चौपाल के दौरान प्रशासन ने ग्रामीण समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने विकास खंड नूरपुर के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जलापूर्ति, सड़क मरम्मत और सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए।ग्रामीणों ने बताया कि निमार्णाधीन पानी की टंकी से अब तक घरों में जल कनेक्शन नहीं दिए गए हैं और टंकी निर्माण के दौरान खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी ठीक से नहीं कराई गई। इस पर जिलाधिकारी ने टीम गठित कर पूरे

प्रकरण की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया गया कि स्कूल, पंचायत घर, बरात घर, मंदिर समेत सभी घरों में प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत जल कनेक्शन सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय और सीसी रोड निर्माण कार्य मानक के अनुरूप पाए गए। पेंशन योजनाओं और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन वितरण की स्थिति भी संतोषजनक बताई गई।

जिलाधिकारी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और अंत्योदय कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा पात्र विधवा, दिव्यांग और निराश्रितों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर भी जांच टीम गठित करने की बात कही गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया गया और निमार्णाधीन पेयजल टंकी का जायजा लेकर समयबद्ध गुणवत्ता पूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रायपुर खास में नहर पटरी किनारे पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

बिजनौर (सब का सपना):- हरिद्वार से लौट रहे कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर लगाए गए पिंजरे में आखिरकार गुलदार कैद हो गया। नांगल सोती थाना क्षेत्र के गांव रायपुर खास उर्फ कोट सराय में नहर पटरी किनारे यह घटना सामने आई, जिसके बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने दूर-दराज के गांवों से आकर पिंजरे में बंद गुलदार को देखने की कोशिश की। बताया गया कि बीते दिनों इस मार्ग पर गुलदार की मौजूदगी की सूचना मिल रही थी। चूंकि इसी नहर मार्ग से बड़ी संख्या में कांवड़िए गुजरते हैं, इसलिए वन विभाग ने एहतियातन पिंजरा लगाया था। शुक्रवार तड़के गुलदार पिंजरे में फंस गया। सुबह होते-होते इसकी खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और मौके पर लोगों का

जमावड़ा लग गया। पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए मौके पर मुस्तैद रहना पड़ा। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम पहुंची और आवश्यक सुरक्षा इंतजामों के बीच पिंजरे को अपने कब्जे में लेकर वाहन से ले गई। अधिकारियों के अनुसार गुलदार का पहले चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा।

ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में दहशत का माहौल था। कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने इसे बड़ी सफलता माना है और लोगों से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर स्वयं कोई जोखिम न उठाएं, बल्कि तुरंत सूचना दें।

शिव मंदिर की स्थापना दिवस के मौके पर सालाना होने वाले भंडारे का किया गया आयोजन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- शिव मंदिर की स्थापना दिवस के मौके पर सालाना होने वाले भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे में हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित शिव मंदिर का निर्माण 22 फरवरी 2023 को हुआ था गत वर्षो की भांति इस वर्ष 12 फरवरी को शिव मंदिर पर चतुर्थ भंडारे का आयोजन किया गया। विश्व की सुख शांति के लिए शिवा मंदिर में पंडित राजकुमार शर्मा ने हवन पूजन संपन्न कराया जिसके जजमान कुंवर कृष्ण बलदेव

सिंह उर्फ. संजय उनकी पत्नी रितु सिंह, वे कुंवर हर्षवर्धन सिंह व उनकी पत्नी पूनम सिंह, रहे। हवन पूजन के बाद दोपहर 12 बजे विशाल भंडारा प्रारंभ हुआ भंडारे का प्रसाद हजारों पुरुष महिलाओं युवा और बच्चों ने ग्रहण किया तथा दोपहर 2 बजे शाम 5:00 बजे तक कॉलोनी में भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। हवन पूजन और भंडारे को सफल बनाने में आनंद गहलोत, हर्षवर्धन सिंह, दिवाकर सिंह, कु कृष्ण बलदेव सिंह मा कुशल पाल सिंह, लाला संदीप अग्रवाल, संजीव कुमार, चाहत गहलोत, वीर सिंह चौधरी, अभिषेक सैनी, साजन चुनियाला, रजनीश पवार, जिज्ञासा राजपूत, लव ठाकुर, शिवम सैनी, निशांत सिंह, हेमंत कुमार एडवोकेट, गोपाल, सुधीर अग्रवाल, आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

संगठन विस्तार पर जोर, नए सदस्य शामिल

सैदपुर भट्टा बनेगा किसानों की एकता का मंच

बिजनौर (सब का सपना):- तीन जनपदों के किसानों को एक मंच पर लाने की तैयारी तेज हो गई है। भारतीय किसान यूनियन की मुरादाबाद, अमरोहा और बिजनौर इकाइयों की संयुक्त महापंचायत 21 फरवरी को नूरपुरझछजलैट रोड स्थित ग्राम सैदपुर भट्टा में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को लेकर बिजनौर के सम्राट बैंक्वेट हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित कर रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता चौधरी सुनील प्रधान ने की, जबकि संचालन मुकेश कुमार (जंघाला) ने किया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी सत्यवीर सिंह और प्रदेश महासचिव चौधरी कुलदीप सिंह ने कहा कि महापंचायत को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए तीनों जिलों से व्यापक स्तर पर किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। गांव-गांव संपर्क अभियान चलाकर

अधिक से अधिक किसानों को शामिल करने की जिम्मेदारी पदाधिकारियों को सौंपी गई। समीक्षा बैठक के दौरान संगठन विस्तार पर भी जोर दिया गया। बिजनौर के वरिष्ठ पदाधिकारी गौरव कुमार (जंघाला) और नीटू चौधरी ने अपने समर्थकों के साथ भारतीय किसान यूनियन की सदस्यता ग्रहण की और राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत व किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में कार्य करने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने नव-शामिल सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि 21 फरवरी की महापंचायत किसानों की एकजुटता का प्रदर्शन होगी और क्षेत्रीय समस्याओं को मजबूती से उठाने का मंच बनेगी।

घर लौटते समय युवक की मौत, परिवार में मातम

अज्ञात वाहन फरार, पुलिस सीसीटीवी खंगालने में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा की सड़कों पर रफ्तार ने एक और घर का चिराग बुझा दिया। बृहस्पतिवार देर रात मुरादाबाद मार्ग पर गांव सुल्तानपुर के निकट हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की जान चली गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार अमन पुत्र गफ्फार (करीब 25 वर्ष, मोहल्ला पटवारीयान) अपने साथी उवैस पुत्र रिहान के साथ कांठ से स्योहारा लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने

उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर जा गिरे। मौके पर पहुंची पुलिस ने डायल 108 एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अमन को मृत घोषित कर दिया। उवैस का उपचार जारी है और उसे खतरे से बाहर बताया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही अमन के परिवार में कोहराम मच गया। परिजन सीएचसी पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया है कि अमन का रिश्ता तय हो चुका था और अगले महीने उसकी शादी होनी थी। हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

विभिन्न दलों के सांसद स्योहारा मुद्दे पर एकजुट

बस स्टैंड, मंडी और पार्किंग निर्माण को लेकर पत्राचार तेज

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा नगर में प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को गति दिलाने के लिए अब राज्यसभा स्तर से भी आवाज उठाई गई है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्योहारा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष फैसल वारसी के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर नगर की सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने और लंबित परियोजनाओं पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि नगर पालिका परिषद स्योहारा द्वारा मुरादाबाद रोड स्थित सरकारी भूमि पर बस स्टैंड, सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण का प्रस्ताव विधिवत पारित कर

जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग को भेजा जा चुका है। इसके बावजूद संबंधित भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, जिससे जनहित की महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने मांग की है कि उक्त भूमि को तत्काल सुरक्षित कराते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि विकास कार्यों की शुरूआत हो सके। इस मुद्दे पर पहले ही रामपुर, मुरादाबाद, संभल, सहारनपुर और नगीना लोकसभा क्षेत्रों के सांसद भी राज्य सरकार को पत्र लिख चुके हैं। इन सभी सांसदों ने अपने-अपने पत्रों में स्योहारा में स्थायी बस स्टैंड के अभाव, यातायात अव्यवस्था और बाजार क्षेत्र में बढ़ती भीड़ की समस्या को प्रमुखता से उठाया है। उनका कहना है कि प्रस्तावित परियोजनाएं शुरू होने से न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि व्यापार, रोजगार और नगर की आधारभूत संरचना को भी मजबूती मिलेगी। नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी को इन प्रयासों के पीछे प्रमुख भूमिका में देखा जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर लगातार पैरवी के बाद अब विभिन्न दलों के सांसदों द्वारा एकजुट होकर राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग किए जाने को स्योहारा के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नागरिकों को उम्मीद है कि शासन स्तर पर त्वरित निर्णय लेकर बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं को जल्द अमलीजामा पहनाया जाएगा।

घर में बोरिंग करते समय युवक की बिजली के करंट लगने से मौत

बिजनौर (सब का सपना):- सराय क्षेत्र के गुड़ा सराय आजमपुर गाजी गांव में घर के अंदर बोरिंग करते समय बड़ा हादसा हो गया। लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से छू गया, जिससे करंट लगने से 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि कुमार (23) पुत्र मदन सिंह बुधवार शाम करीब छह बजे अपने घर में बोरिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान बोरिंग में इस्तेमाल किया जा रहा लोहे का पाइप अचानक घर के ऊपर

से गुजर रही 11000 वोल्ट की लाइन से टच हो गया। तेज करंट की चपेट में आने से रवि गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना नजीबाबाद क्षेत्र की गंग नहर चौकी प्रभारी एसआई कय्यूम अली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया गया कि रवि बोरिंग का कार्य कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी शादी 30 अप्रैल को तय थी। परिवार में बड़ा भाई लंबे समय से बीमार है, छोटा भाई मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जाता है और छोटी बहन की शादी अगले वर्ष होनी है।

वृद्ध माता-पिता की जिम्मेदारी भी उसी पर थी। ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण के दौरान 11 हजार की लाइन को गांव के मकानों के ऊपर से गुजारा गया था, जिससे खतरा बना रहता है। प्रभावित परिवारों ने लाइन हटाने की मांग की है। एसडीओ विद्युत विभाग रायपुर सादात ने बताया कि मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा संगनियों को दी गई एचआईवी की जानकारी

धामपुर /बिजनौर(सब का सपना):- एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धामपुर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्साधिकारी ने की, जिसमें आशा संगनियों को एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि एचआईवी मुख्यतः असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई के उपयोग तथा गर्भावस्था या स्तनपान के दौरान मां से शिशु में फैल सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच

और नियमित उपचार से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी सामान्य जीवन जी सकता है। इस अवसर पर आशा संगनियों को निर्देश दिए गए कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें, एचआईवी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें तथा संदिग्ध मरीजों को जांच के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं और विशेषज्ञों ने उनका समाधान किया।

ड्यूटी निभाते समय पुलिस कर्मी को कार ने मारी टक्कर, पुलिस कर्मी घायल

बिजनौर (सब का सपना):- शुक्रवार सुबह की व्यस्त ट्रैफिक व्यवस्था के बीच मंडावर चौराहे पर ड्यूटी निभा रहे ट्रैफिक पुलिस कर्मी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में सिपाही हरेंद्र सिंह घायल हो गए, जिन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के मंडावर चौराहे पर करीब दस बजे ट्रैफिक नियंत्रण के दौरान तेज गति से आई कार ने ड्यूटी पर तैनात सिपाही को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पुलिस कर्मी सड़क पर गिर पड़े।

मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों और राहगीरों ने घायल सिपाही को तत्काल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा जिला अस्पताल पहुंचे और घायल पुलिस कर्मी का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि कार चालक सुमित टक्कर मारने के बाद वाहन मौके पर

छोड़कर फरार हो गया। कार में सवार उसके एक साथी और पत्नी से पूछताछ की जा रही है। फरार चालक की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हरियाणा के प्राथमिक शिक्षकों को झटका: जिला काडर स्थानांतरण प्रक्रिया स्थगित, जल्द आएगा नया शेड्यूल

चंडीगढ़। हरियाणा में कई साल से अपने गृह जिले में जाने का सपना देख रहे जूनियर बेसिक ट्रेंड (जेबीटी), प्राथमिक (पीआरटी) शिक्षकों और मुख्य अध्यापकों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि मौलिक शिक्षा विभाग ने जिला काडर स्थानांतरण प्रक्रिया को अचानक स्थगित कर दिया है। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनित गर्ग की ओर से जारी आदेश में स्थानांतरण प्रक्रिया को स्थगित करने की मुख्य वजह तकनीकी कारण बताया गया। आदेश में कहा गया कि जल्द ही नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। स्थानांतरण प्रक्रिया रुकने से प्राथमिक शिक्षकों में मायूसी छा गई है। हालांकि, राहत की बात यह है जिन जिलों में 95 प्रतिशत से कम प्राथमिक शिक्षक हैं, अब वहां के शिक्षक भी स्थानांतरण करा सकेंगे। काडर बदलने में महिला शिक्षकों को वरीयता मिलेगी। इससे पहले विभाग ने छह फरवरी को जिला काडर शिक्षकों के लिए काडर परिवर्तन नीति के तहत स्थानांतरण का शेड्यूल जारी किया गया था। इसके मुताबिक, सभी जेबीटी, पीआरटी और प्रधानाध्यापकों की सूची का प्रकाशन उनकी श्रेणी और वर्तमान जिले सहित 9 और 10 फरवरी को करना था। इस दौरान जिलावार और श्रेणीवार रिक्तियों की संभावित सूची प्रकाशित करने के साथ ही स्थानांतरण प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक शिक्षकों को 11 से 15 फरवरी तक अपनी पसंद का जिला पोर्टल पर बताना था। इसके बाद 16 से 18 फरवरी तक जिला आवंटन की प्रक्रिया को पूरा कर एमआईएस पोर्टल पर परिणाम प्रकाशित किया जाता। 19 से 23 फरवरी के बीच का समय शिकायतों के निपटारे के लिए रखा गया था। अब नए सिरे से स्थानांतरण प्रक्रिया का शेड्यूल जारी किया जाएगा।

विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही कांग्रेस, सीएम नायब सैनी ने साधा निशाना; मोदी सरकार की नीतियों को सराहा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस पर 55 साल के शासन में भ्रष्टाचार फैलाने और विपक्ष की भूमिका न निभाने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के शासन की प्रशंसा की। सैनी ने आम आदमी पार्टी को भी दिल्ली और पंजाब में झूठे वादे करने और किसानों को धोखा देने के लिए घेरा।

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल देश पर शासन किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महज 11 साल के शासन में देश की तस्वीर बदलने का काम किया है। कांग्रेस विपक्ष की भूमिका भी नहीं निभा रही। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से सीख लेनी चाहिए, ताकि पता लगे कि विपक्ष की क्या भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में देश लगातार भ्रष्टाचार के दल-दल में फंसता चला गया। देश का विकास जिस गति से होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 वर्षों में भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करने का काम किया। कांग्रेस शासनकाल में केवल भ्रष्टाचार ही हुए। आम आदमी पार्टी की विधायक नरेंद्र कौर भराज द्वारा लगाए गए उन्हें भाजपा का टिकट देने के लिए प्रलोभन संबंधी आरोपों को मनगढ़ंत बताते हुए नायब सैनी ने कहा कि पहले दिल्ली की जनता को सब्जबाग दिखाए और दिल्ली की जनता को धोखा दिया। इसके बाद उन्होंने पंजाब में ऐसे वादे किए जो आज तक पूरे नहीं किए गए। इसके लिए पंजाब के लोगों में पीड़ा है। पंजाब की जनता ने पहले कांग्रेस पार्टी को वोट दिया, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें धोखा दिया। इसके बाद आप को वोट दिया, लेकिन आप ने उनके साथ महाधोखा किया। आज पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, किसानों की हालत दयनीय है। नायब ने कहा कि पंजाब में बाढ़ आई तो केजरीवाल पंजाब में किसानों को 20 हजार रुपये मुआवजा देने की बात कर रहे थे, लेकिन गुजरात गए तो वहां कहा कि पंजाब के किसानों को 50 हजार रुपये मुआवजा दिया। उन्होंने किसानों के साथ धोखा किया। आम आदमी पार्टी पंजाब में दबाव की राजनीति कर रही है। उन्हें जनता से किए वायदे पूरे करने चाहिए। पंजाब हमारा घर है मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमारा घर है। पंजाब में उन्हें कोई बुलाता है तो वहां जरूर जाते हैं। पंजाब गुरुओं की धरती है और हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि गुरुओं ने अपने चरणों से हरियाणा की धरती को भी पवित्र किया है। सेवा तीर्थ बनाना बेहतर प्रधानमंत्री कार्यालय के नए दफ्तर सेवा तीर्थ के उद्घाटन से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक अच्छा कार्य है। कांग्रेसी तो राज करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार का भाव सेवा करना है। नगर निगम चुनावों को लेकर पूछे सवाल पर कहा कि चुनाव को लेकर उनकी पूरी तैयारी है। हरियाणा के आमजन का उन्हें पूरा आशीर्वाद है।

जीजेयू में पुष्प उत्सव 26 फरवरी को

हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (गुजविप्रौवि) का बारहवां पुष्प उत्सव 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के लॉन में होगा। पुष्प उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस पुष्प उत्सव में गुजविप्रौवि सहित लगभग 100 संस्थानों या व्यक्तियों से एंट्री आने की संभावना है। निदेशक बागवानी प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि पुष्प उत्सव को लेकर गुजविप्रौवि तथा प्रतिभागियों में भारी उत्साह है। प्रदर्शनी स्थल को सजाया व संवारा जा रहा है। विभाग के प्रशिक्षित मालियों की टीम इस कार्य में लगी है। प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि इस मेले में कोई भी व्यक्ति, औद्योगिक इकाई, सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं तथा माली भाग ले सकते हैं। इस मेले में भाग लेने सम्बंधी सभी श्रेणियों, वर्गों का विवरण विश्वविद्यालय बागवानी विभाग के कार्यालय में उपलब्ध हैं। पुष्प उत्सव की ये हैं प्रतियोगी श्रेणियां: सलाहकार लैंडस्केप पाला राम ने बताया कि उत्सव में पुष्प सज्जा कट फलावर तथा गमलों के पौधे श्रेणियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उत्सव को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। श्रेणी ए पुष्प सज्जाह्न में सैंट्रल टेबल विद फ्रैश फलावर्स, फॉर कार्नर विद फ्रैश फलावर्स, फॉर कॉर्नर विद ड्राई फलावर्स, मिक्स फलावर्स ऐरेंजमैंट फॉर ए कॉर्नर, बूके तथा गारलैंड (हार) शामिल हैं। श्रेणी बी कट फलावर में रोजिज, गलेडियोलस, डाहलिया, लिलियम, कारनेशन, एंटीरिनम, गेरबेरा, मेरीगोल्ड, स्टॉक, सालविया, केलेंडुला, अस्टर तथा कोई भी फलावर शामिल हैं। श्रेणी सी गमलों के पौधों में डाहलिया, पेंसी, पेटुनिया, वरबिना, फलोक्स, सिनेरिया, मेरीगोल्ड अफ्रीकन, मेरीगोल्ड फ्रैंच, स्टोक, एंटरीहनम, सालविया, डिमोरपोटिका, केल, मेसेम्बरी वरथीमम (आइस प्लांट), कलेंडुला, अस्टर, लिलियम व कोई अन्य फलावर, बोंसाई प्लांटस, केक्टी, सकूलैंट, मिनि गार्डन पोर्टेबल, फोलिएज प्लांटस, बुगेनविलिया, फर्न कोलेक्शन, पामस (तीन किस्म), पुनः उपयोग पदार्थों से प्लांटेशन/इनोवेटिव आइडिया, हेंगिंग पॉटस तथा इम्युनिटी बूस्टर प्लांट/मेडिसिनल प्लांटस शामिल हैं। सभी श्रेणियों के विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। पुष्प उत्सव के बारे में अधिक जानकारी के लिए सलाहकार लेंडस्केप पाला राम से फोन नम्बर 9896170184 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

लुवास में तीन लिपिकों की सहायक के पदों पर हुई पदोन्नति

हिसार : लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विश्वविद्यालय में लिपिक के पदों पर कार्यरत शैलेन्द्र, मुकेश कुमार पायल व राज कुमार को सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के आदेश विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार रोज द्वारा जारी किए गए। इस अवसर पर कुलसचिव ने पदोन्नत हुए कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी भविष्य में और अधिक समर्पण, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के साथ विश्वविद्यालय की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।

हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में 15 फरवरी को धूमधाम से मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

हिसार : सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। देवों के देव भूतनाथ महादेव व शिव परिवार की दोनों समय पूजा-अर्चना व रूद्राभिषेक मंदिर शिवालय में प्रातः 4 बजे मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा किया जाएगा तत्पश्चात मंदिर में भगवान शिव व शिव परिवार की पूजा अर्चना व जलाभिषेक श्रद्धालुओं द्वारा किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट द्वारा बिल्व पत्र आदि की व्यवस्था मंदिर में की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट के सचिव मधुसूदन गुप्ता ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रात्रि के पहर में देवों के देव भगवान महादेव व शिव परिवार की पूजा अर्चना व रुद्राभिषेक मंदिर ट्रस्ट के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा डा. ललिता राजवंशी के मार्गदर्शन में नगर के अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं व मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा विधिवत रूप से रात्रि 9 बजे की जाएगी।

स्वतंत्रता सेनानी श्योदत को मरणोपरांत जाट सुरजमल गौरव पुरस्कार से नवाजा

हिसार : जाट महाराजा सूरजमल की स्मृति में दिया जाने वाला पुरस्कार इस बार स्वतंत्रता सेनानी श्योदत्त ढिल्लो को मरणोपरांत दिया गया। यह पुरस्कार उनकी पत्नी सुनहरी देवी ने ग्रहण किया। हर वर्ष महाराजा सूरजमल की जयंती के अवसर पर देश की आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानी को दिया जाता है। इस बार का पुरस्कार स्वतंत्रता सेनानी श्योदत्त ढिल्लो को दिया गया। आजाद हिन्द युवा क्लब गांव किरतान द्वारा महाराज सूरजमल जयंती कार्यक्रम बुड़ाक गांव के स्कूल में किया गया। इस मौके पर आजाद हिंद युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने कहा कि महाराजा सूरजमल जाट द्वारा अपने जीवन में लगभग 80 लड़ाइयां लड़ी गई और वे किसी भी लड़ाई में पराजित नहीं हुए। हिंदुओं को बचाने के लिए अपना सारा जीवन युद्ध में बिता दिया। गाय माता की रक्षा के लिए बहुत काम किया। उनके जीवित रहते किसी ने भी भरतपुर की ओर आंख उठाकर नहीं देखा और न किसी की हिम्मत नहीं हुई कि जाट सूरजमल से टकराया जाए। जाट सूरजमल ने हमेशा दूसरों की रक्षा की और परोपकार की भावना रखते हुए हर जरूरतमंद को को शरण दी। देश के ऐसे वीरों को हमेशा याद रखना चाहिए। उनकी बहादुरी की गाथाओं को गाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के लिए मर मिटने वाले शहीदों को जान सकें और उनसे प्रेरणा लेकर देश के लिए समर्पित हो सकें। इस मौके पर सुभाष चंद्र, प्रोमुल आर्य, बहादुर सिंह मंगल व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू नहीं करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

रेवाड़ी। समाज के स्वर्णजातीय एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के मनुवादी सोच से जुड़े कुछ व्यक्तियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिकाएँ दायर कर यह मांग की गई है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू की जाए। इस विषय में उच्चतम न्यायालय ने 12 जनवरी 2026 को केंद्र सरकार तथा सभी राज्य सरकारों को अपना पक्ष एवं रुख स्पष्ट करने हेतु नोटिस जारी किया है। उक्त जनहित याचिकाओं के विरोध में जिला रेवाड़ी की विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं ने विधायक बावल तथा उपायुक्त रेवाड़ी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति तथा हरियाणा के राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन प्रेषित किया है। इस ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार एवं हरियाणा सरकार से आग्रह किया गया है कि अनुसूचित जाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू न की जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 366 (24) के अनुसार अनुसूचित जाति तथा 366(25) अनुसूचित जनजाति की परिभाषा दी गई है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अनुसूचित जाति एवं जनजातियाँ अपने आप में कोई एक जाति नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से वंचित और विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित अनेक जातियों का समूह हैं। सामाजिक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि अनुसूचित जाति वर्ग के संवैधानिक अधिकारों एवं आरक्षण व्यवस्था को यथावत बनाए रखा जाए और इस विषय में संवेदनशीलता एवं सावधानी के साथ निर्णय लिया जाए।

अग्निपथ योजना के तहत वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

हिसार / विनोद अग्निपथ योजना के तहत वर्ष 2027 के लिए अग्निवीरों की भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया के लिए वेबसाइट 2 अप्रैल रात्रि 11:59 बजे तक खुली रहेगी।यह जानकारी देते हुए सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक ने बताया कि ऑनलाइन परीक्षा के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को 250 रुपये परीक्षा शुल्क का भुगतान करना होगा। इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता के अनुसार दो अग्निवीर श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय प्राथमिकता का चयन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि भर्ती वर्ष 2027 के लिए चयन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा (ऑनलाइन सीईई) होगी, जबकि द्वितीय चरण में भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को आधिकारिक पर पंजीकरण कर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। भर्ती निदेशक ने बताया कि इस भर्ती प्रक्रिया में हिसार, हांसी, फतेहाबाद, सिरसा एवं जींद जिलों के वे युवा आवेदन करने के पात्र हैं, जिनकी जन्म तिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच है तथा जिन्होंने दसवीं या बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है। दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो चुके अभ्यर्थी, जो परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे भी अन्य सभी निर्धारित शर्तें पूर्ण करने की स्थिति में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह भर्ती अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं पास) तथा अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं पास) पदों के लिए की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह देते हुए कहा कि आवेदन करते समय अपना व्यक्तिगत मोबाइल नंबर दर्ज करें और फॉर्म भरने के बाद सबमिट बटन अवश्य दबाएं। भर्ती निदेशक ने बताया कि उम्मीदवार जितनी बार भी अपना फॉर्म ओपन करें, उसे बंद करने से पहले सबमिट बटन अवश्य दबाएं। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने से पूर्व आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट गुरुग्राम जोन की रेवाड़ी में बैठक, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

रेवाड़ी । कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट के गुरुग्राम जोन की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को रेवाड़ी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेवाड़ी जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने की, जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने जिलों में प्रत्येक माह कम से कम एक कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें और उसकी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नियमित कार्यक्रमों से न केवल कार्यकताओं में उत्साह बना रहेगा, बल्कि प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को भी संगठन की गतिविधियों की स्पष्ट जानकारी मिलती रहेगी। वहीं रेवाड़ी जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि रेवाड़ी जिला संगठन पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है और भविष्य में भी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की एकजुटता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

बैठक में प्रदेश सचिव ओमप्रकाश मांढैया, गुरुग्राम शहरी अध्यक्ष राजकुमार ढीकवाल तथा महेंद्रगढ़ के जिला अध्यक्ष तोताराम कोली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष करती रही है और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना समय की मांग है।

भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट, सिरसा द्वारा निःशुल्क आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा हिसार को समर्पित

हिसार / विनोद भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट सिरसा द्वारा दी गई निःशुल्क आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ यादव धर्मशाला में मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे अशोक कुमार गर्ग, पूर्व मंडल आयुक्त हिसार ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राकेश अग्रवाल ने की। इस अवसर पर अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और भाई कन्हैया आश्रम के मुख्य सेवादार पदमश्री गुरविंदर सिंह इसके जीते जाते उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने दर्द को दवा बना कर समाज के लिए उदाहरण पेश किया है। ऐसे व्यक्ति वास्तव में संत कहलाने के हकदार हैं, जिन्होंने मानव सेवा को ही अपना धर्म बना लिया है और शारीरिक रुप से अक्षम होते हुए भी लोगों की सहायता के लिए 24 घंटे तत्पर रहते हैं। इस कार्यक्रम में हिसार और आसपास की सभी सामाजिक संस्थाओं का इका होना भी एक बेमिसाल उदाहरण है। भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट सिरसा द्वारा 400 जरुरतमंदों छात्रों के लिए निःशुल्क स्कूल व 420 से अधिक बेसहारा लोगों के लिए आश्रम चलाया जा रहा है तथा सिरसा, डबवाली, ऐलनाबाद, रानियां तथा फतेहाबाद में निःशुल्क आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा चल रही है। हिसार शहर में भी यह एम्बुलेंस सेवा आज से शुरू की गई। पदमश्री सरदार गुरविंदर सिंह का कहना है कि आज के दौर में एम्बुलेंस किसी भी मरीज का प्रथम डॉक्टर है और यह सेवा सिरसा, फतेहाबाद होती हुई

पीएम सूर्य घर योजना से आमजन को मिल रही सस्ती व स्वच्छ ऊर्जा: रणबीर गंगवा

हिसार / विनोद हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार को स्थानीय लोक निर्माण विश्राम गृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पात्र लाभार्थियों को चैक वितरित किए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि केंद्र सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना आमजन के बिजली बिल में राहत देने के साथ-साथ प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत देशभर में एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त अथवा कम लागत की बिजली उपलब्ध करवाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि 1 किलोवाट तक 30 हजार रुपए, 2 किलोवाट पर 60 हजार रु तथा 3 किलोवाट तक अधिकतम 78 हजार रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही नेट मीटरिंग सुविधा के माध्यम से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है और सब्सिडी राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना की जानकारी देते हुए बताया कि अंत्योदय परिवारों को विशेष लाभ दिया जा रहा है। जिन परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है, उन्हें केंद्रीय वित्तीय सहायता के अतिरिक्त राज्य वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वास्तविक लागत का 40 प्रतिशत या 25` हजार रुपए प्रति किलोवाट (जो भी कम हो) सहायता दी जाती है।

'क्या हरियाणा के सीएम डेपुटेशन पर पंजाब चले गए?, भूपेंद्र हुड्डा का नायब सैनी पर बड़ा हमला

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के लगातार पंजाब दौरे पर सवाल उठाए हैं। भूपेंद्र हुड्डा ने नायब सैनी से पूछा है कि क्या हरियाणा के मुख्यमंत्री डेपुटेशन (प्रतिनियुक्ति) पर पंजाब चले गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा के लोगों के हितों की चिंता पूरी तरह से छोड़ दी है। मुख्यमंत्री हरियाणा में कुछ नहीं कर पाते, इसलिए वह बार-बार पंजाब चले जाते हैं। पंजाब ने हरियाणा का पानी रोक रखा है। इस पानी को लाने के लिए मुख्यमंत्री कोई प्रयास नहीं करते। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया कि अभी तक करीब पांच लाख लोगों की पेंशन और 14 लाख राशनकार्ड काटे जा चुके हैं। विधानसभा चुनाव से पहले धड़ाधड़ राशनकार्ड बनाए गए और पेंशन लगाई गई, मगर अब जीत के बाद यह काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा को नहीं जिताना चाहते, लेकिन भाजपा हेराफेरी कर कैसे जीतती है, यह सभी को पता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बुढ़ापा पेंशन में पांच गुणा बढ़ोतरी की थी, लेकिन भाजपा ने सिर्फ दो गुणा बढ़ोतरी की है। तीसरी बार सत्ता मिलने का नशा भाजपा के सिर चढ़कर बोल रहा है। अकेले अंबाला जिले में करीब 54 हजार परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड और पेंशन काटे जा चुके हैं। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि एक तरफ बुजुर्ग अपनी पेंशन दोबारा बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों में गुहार लगा रहे हैं, दूसरी तरफ अहंकार में चूर सरकार दावा कर रही है कि किसी बुजुर्ग की पेंशन नहीं काटी गई। कांग्रेस के कार्यकाल में बुजुर्गों की आय निर्धारित करने के लिए फैमिली आइडी जैसा कोई अड़ंगा नहीं लगाया जाता था। लेकिन अब सम्मान भत्ते को भाजपा सरकार ने अपनी मेहरबानी बना दिया है। फैमिली आइडी का पूरा नियंत्रण सरकार के हाथ में है। रातों-रात किसी की भी आय में बढ़ोतरी दिखाकर बुजुर्गों की पेंशन काट दी जाती है। मनरेगा के लाभ से गरीब मजदूरों को वंचित किया जा रहा है। हुड्डा ने कहा कि इन सभी मुद्दों को विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायक पूरी मजबूती से उठाएंगे। अब अपराधों में नंबर वन बन गया हरियाणा- दीपेंद्र हुड्डा अखिल भारतीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहले विकास में नंबर वन हरियाणा अब अपराध में नंबर वन हो गया है। हरियाणा की बीजेपी सरकार केवल भाषणबाजी कर रही हैं और तमाशा देख रही है, जबकि आम जनता में डर का माहौल है। पूरे प्रदेश में लोग कहने लगे हैं कि अब तो जिंदा रहने को ही विकास समझें और अपनी रक्षा स्वयं करें। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि विदेश से आपरेट कर रहे लगभग 50 से अधिक बड़े गैंग्सटर हरियाणा के नामी-गिरामी लोगों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों से रंगदारी वसूलने का काम कर रहे हैं। हरियाणा के नौजवान बेरोजगारी से हताशा में हैं। हताशा से नशा और नशे से अपराध के चंगुल में लगातार फंसते जा रहे हैं। उन्होंने हरियाणा से बाहर के युवाओं को नौकरियां मिलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य के युवाओं का पहले हक बनता है।

टी20 विश्वकप : जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराकर किया उलटफेर

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप 2026 मुकाबले में दो बार की विजेता रही ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर इस विश्वकप का पहला उलटफेर किया है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 146 रनों पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जिम्बाब्वे के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये। ब्लेसिंग मुज़रबानी ने 4 विकेट जबकि ब्रैड इवांस ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने 29 रन पर चार विकेट खो दिये। इसके बाद मैट रेनशॉ 65 और ग्लेन मैक्सवेल 31 ने पांचवें विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर टीम को वापसी कराने का प्रयास किया पर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने उन्हें खुलकर खेलने नहीं दिया।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉज जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसका ये फैसला ठीक नहीं रहा। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की नाबाद 64 रन की पारी की बदौलत जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन बनाये। बेनेट ने 56 गेंदों पर सात चौके लगाकर अपनी टीम के रन रेट को बनाये रखा। जिम्बाब्वे ने 15 ओवर में ही एक के नुकसान पर 125 रन बना लिए थे पर इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बचे हुए पांच ओवरों में केवल 44 रन ही दिए। जिम्बाब्वे की ओर से विकेटकीपर तादिवानाशे मारुमानी ने 35 और रयान बर्ल ने 35 रन जबकि ऑस्ट्रेलियास की ओर से मार्कस स्टोइनिस और कैमरन ग्रीन ने एक-एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया इस विश्व कप में अपने कई बड़े खिलाड़ियों के बिना खेल रही है, जिसका उन्हें आज नुकसान भी उठाना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श इस मैच में चोट की वजह से नहीं खेल पाये। ऐसे में ट्रेविस हेड टीम की कप्तानी करते हुए दबाव में आ गये और बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

अर्यांश और सोहैब की शानदार बल्लेबाजी से यूएई ने कनाडा को हराया

नई दिल्ली । अर्यांश शर्मा और सोहैब खान के शानदार प्रदर्शन से यूएई ने टी20 विश्वकप मुकाबले में कनाडा को पांच विकेट से हरा दिया। ग्रुप-डी के इस मुकाबले में में कनाडा ने यूएई को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य दिया था। इसे यूएई ने 19.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। यूएई की ये इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। यूएई की जीत में सलामी बल्लेबाज अर्यांश की अहम भूमिका रही। अर्यांश ने 6 चौके और तीन छक्के लगारक 53 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। वहीं सोहैब ने केवल 29 गेंदों पर 51 रन बनाये। इसमें चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। अर्यांश और सोहैब के बीच पांचवें विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम लक्ष्य तक पहुंच पायी। वहीं कनाडा की ओर से साद बिन जफर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं .इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कनाडा ने 7 विकेट पर 150 रन बनाए। कनाडा की ओर से हर्ष ठाकेर ने 3 छक्के और दो चौके की मदद से 41 गेंदों पर सबसे अधिक 50 रन बनाये। वहीं . इसके अलावा नवनीत धालीवाल ने चार चौके लगाकर 28 गेंद पर 34 रनों की पारी खेली। विकेटकीपर बल्लेबाज श्रेयस मोव्वा ने 21 रन बनाये। यूएई की ओर से तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने 5 विकेट लिए।

इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम को दूसरे फेंडली मैच में होस्ट तुर्किये से मिली हार

मानवगत (तुर्की) (एजेंसी)। इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम यहां अंताल्या के मानवगत अतातुर्क स्टेडियम में होस्ट तुर्किये के खिलाफ अपने दूसरे फेंडली मैच में 1-6 से हार गई। इंडिया मंगलवार को पहले फेंडली मैच में 0-1 से हार गई थी। ब्लू कोल्ट्स इन मैचों का इस्तेमाल एएफसी अंडर17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारी के लिए कर रहे हैं, जो मई में होगा।

इंडिया ग्रुप डी में उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और डीपीआर कोरिया से भिड़ेगा। गुरुवार को तेज हवा और बारिश वाले हालात में खेले गए मैच में, तुर्किये ने एफे सेसिल की मदद से शुरुआती बढ़त बनाई, जिन्होंने सातवें मिनट में बॉक्स के अंदर एक पतले एंगल से लूज बॉल को गोल में पहुंचाया।

इंडिया के थोड़े विरोध के बाद होस्ट्स ने बिबियानो फर्नांडीस की टीम को फिर से हरा दिया और हाफ-टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली। एफे फेटाहोग्लू ने 14वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया, जिसके बाद अलाएटिन एकिसी ने जल्दी से दो गोल किए - 20वें मिनट में 10 याड से पहली बार में लिए गए शॉट को गोल में बदला और 28वें मिनट में दाईं ओर से आए क्रॉस को हेड करके स्कोर 4-0 कर दिया। कप्तान एरेन सयार ने 30वें मिनट में पांचवां गोल किया। भारत ने दूसरे हाफ में कुछ सुधार दिखाया और रीस्टार्ट के बाद जल्दी ही एक गोल वापस कर लिया। 47वें मिनट में, डायमंड सिंह थोकचोम ने बॉक्स के ठीक बाहर डेनी सिंह वांगखेम को चुना। बाद वाले ने 20 यार्ड की दूरी से दूर कोने में एक शानदार शॉट मारकर भारत को स्कोरशीट में ला दिया। तुर्किये ने 85वें मिनट में स्कोरिंग पूरी की, हसन टंसेल बॉक्स में घुसे और बाएं पैर से शॉट मारकर निचले कोने में गोल कर दिया।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं। रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। जिस प्रकार से वह फिटनेस और फॉर्म को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। उससे अंदाजा होता है कि वह विश्वकप को लेकर कितने गंभीर और समर्पित हैं। 2027 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप: भारत-पाक मैच के कारण कोलंबों का हवाई किराया बढ़ा ,होटलों में कमरों की मांग बढ़ी

मुम्बई (एजेंसी)। 15 फरवरी को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबले को लेकर कोलंबो की उड़ानों और होटलों का किराया काफी बढ़ गया है। इसी कारण 13 और 14 फरवरी की टिकटों के दाम 50 फीसदी तक बढ़ गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सहित प्रमुख शहरों से कोलंबो जाने वाली सीधी उड़ाने का किराया एक लाख रुपये से ऊपर से अधिक बढ़ गया है। आम दिनों के हिसाब से कीमतें करीब दोगुनी हो गयी हैं। यह बढ़ोतरी काफी ज्यादा है।

इसस कारण इस रुट पर टिकटों की मांग बढ़ना है। इससे किराया बढ़ना स्वाभाविक है। उड़ानों का किराया बढ़ने अलावा होटल कारोबार में भी तेजी आई है।मैच से पहले की तारीखों में कई होटलों के कमरों की की कीमतें काफी बढ़ गयी हैं क्योंकि ये तेजी से बुक हुए हैं। भारत-पाक मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों में हमेशा से ही उत्साह रहा है। ऐसे मुकाबलों से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता।द्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई से कोलंबो के लिए रिटर्न किराया ही अब करीब 70 हजार रुपये तक पहुंच गया है। दिल्ली से जाने पर किराया 90 हजार से 1 लाख रुपये के बीच है। वहीं हैदराबाद से लगभग 80 हजार रुपये का खर्च आ रहा है, जबकि बेंगलुरु, कोलकाता, अहमदाबाद और पुणे से किराया 60 से 65 हजार रुपये तक है। चेन्नई और कोचिन से किराया 50 हजार रुपये है। 13 और 14 तारीख की उड़ानों में करीब 1,000 से 2,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो औसतन 10 से 20 फीसदी तक है। हालांकि मैच वाले दिन 15 तारीख को किराए में अतिरिक्त वृद्धि नहीं देखी गई।

इस मैच के कारण केवल उड़ानें ही नहीं, कोलंबो के होटलों में कमरों की मांग भी बढ़ी हैं। शहर के प्रमुख और प्रीमियम इलाकों में स्थित होटलों के कमरों की कीमतें बढ़ी हैं।इससे श्रीलंका के छोटे शहरों से भी लोग कोलंबो पहुंच रहे हैं जिससे भी होटल के साथ ही अन्य कारोबारियों को भी लाभ हुआ है क्योंकि मांग में तेजी आई है। कई कंपनियां भी कपने कुछ कर्मचारियों को मैच के लिए विशेष पैकेज के तहत कोलंबो ले जा रही हैं। इससे साफ है कि बड़े खेल आयोजनों में कॉरपोरेट सेक्टर की रुचि भी बढ़ रही है।

PGTI लीग की नीलामी में शामिल होंगे 170 गोल्फर

नई दिल्ली। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (PGTI) की प्रमुख लीग '72 द लीग' की सोमवार को यहां होने वाली पहली नीलामी में 11 देशों के 170 पेशेवर गोल्फर हिस्सा लेंगे। इस लीग में गोल्फरों के लिए कुल 60 स्थान उपलब्ध होंगे, क्योंकि छह फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक अपनी-अपनी टीमों के लिए 10 खिलाड़ियों का चयन करेगी। नीलामी की कुल राशि छह करोड़ रुपए है। PGTIने यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (GOLS) के सहयोग से शुरू की है। लीग 21 फरवरी को शुरू होगी और इसका फाइनल छह मार्च को खेला जाएगा। नीलामी के लिए जिन 170 गोल्फर ने अपना नाम दर्ज कराया है, उन्हें तीन श्रेणियों प्लैटिनम, गोल्ड और सिल्वर में रखा गया है।

इसी माह डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे वैभव

नई दिल्ली। हाल में अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब इसी माह 23 फरवरी मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। नवी मुंबई में होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इसी में से किसी एक टीम से वैभव उतर सकते हैं। इससे उन्हें इसके बाद खेले जाने वाले आईपीएल के लिए भी अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल होते हैं। वैभव अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स ने अभ्यास सत्र के लिए तैयारी की है। यहीं पर वैभव आईपीएल सत्र की तैयारी में लगे हैं। ये शिविर 21 फरवरी तक चलेगा जिसके बाद वैभव पटना वापस जाएंगे। वह अपने शहर में एक प्रमोशनल इवेंट में भी शामिल होंगे। यहां उन्हें एक गाड़ी उपहार में दिये जाने की उम्मीद है। इसके बाद डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई पहुंचेंगे। गौरतलब है कि डीवाई पाटिल टूर्नामेंट, देश के सबसे पुराने टी20 टूर्नामेंटों में से एक है, जो 2003 में शुरू हुआ था। पिछले साल इस टूर्नामेंट में क्रुणाल पंड्या और हार्दिक पंड्या खेलते नजर आए थे। शिवम दुबे, नेहल वढेरा, दीपक चाहर और कई अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल हुए थे।

विक्टोरिया म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन रयबाकिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

दोहा (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में विक्टोरिया म्बोको ने टॉप 15 में पहुंचने के दौरान कई मौकों पर चैंपियन वाली सोच दिखाई है। कनाडा की इस टीनेजर ने शुक्रवार को कतर टोटल एनर्जीज ओपन में इसे फिर से दिखाया, फाइनल सेट में ब्रेक डाउन से उबरकर दूसरी सीड और मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रयबाकिना को क्वार्टरफाइनल में बाहर कर दिया।

म्बोको अभी नंबर 13 पर हैं, पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में नेशनल बैंक ओपन में अपने सफल टाइटल रन के रास्ते में रयबाकिना को पहले ही हरा चुकी थीं। लेकिन यह वर्ल्ड नंबर 3 थीं जिन्होंने पिछले साल वाशिंगटन और टोक्यो में म्बोको को हराने के बाद अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 2-1 की बढ़त के साथ मैच में एंट्री की थी। उनकी नई दुश्मनी का चौथा चैप्टर तब शुरू हुआ जब म्बोको ने 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रयबाकिना ने अगले छह में से पांच गेम जीतकर 5-3 की बढ़त बना ली। लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने फिर से मोमेंटम बदला, लगातार चार गेम जीतकर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

रयबाकिना ने दूसरे सेट में जवाब दिया, जल्दी ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। म्बोको ने ब्रेक करके 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रयबाकिना ने निर्णायक गेम के पांचवें गेम में एक बार फिर सर्विस तोड़ी और 4-2 से आगे हो गईं, लेकिन म्बोको ने फिर से अपना लेवल बढ़ाया। मुश्किल में होने के बावजूद, वह आक्रामक रहीं और 4-4 से वापसी की। 5-4 पर सर्विस करते हुए, म्बोको ने 10वें गेम में रयबाकिना की सर्विस पर 0-40 पर तीन मैच पॉइंट हासिल किए, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने तीनों बचा लिए।

म्बोको ने कुछ देर बाद चौथा मैच पॉइंट हासिल किया, और इस बार इसका फ़ायदा उठाया। वह दूसरी सर्व में आईं और बैकहैंड रिटर्न मारा, जिससे रयबाकिना की गलती नेट में चली गई और 2 घंटे 23 मिनट में 7-5, 4-6, 6-4 से जीत पक्की हो गई। पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन एलेना ओस्तापेंको इटली की लकी लूजर एलिसाबेटा कोकियारेटो पर 7-5, 6-4 से कड़ी टक्कर के साथ चौथी बार दोहा में सेमीफाइनल में पहुंचीं।

लातवियाई खिलाड़ी ने दोहा में अपने करियर की 24वीं जीत दर्ज की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। यह म्बोको और ओस्तापेंको के बीच पहली मुलाकात होगी। अगर म्बोको जीत जाती हैं, तो वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचने वाली चौथी कनाडाई बन जाएंगी।

कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले पहले एशियाई पैरा तैराक बने भारत के सतेंद्र सिंह

नई दिल्ली। भारत के सतेंद्र सिंह लोहिया न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले 38 वर्षीय लोहिया को 2024 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। लोहिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'ऐतिहासिक उपलब्धि। न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य पर जीत। दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को अपनी टीम के साथ सफलतापूर्वक पार करने के बाद आज मैं बेहद भावुक और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पहली बार एशिया के किसी पैरा तैराक ने कुक जलडमरूमध्य को पार किया है।' अधिकारियों के अनुसार यह पैरा तैराक जनवरी के तीसरे सप्ताह में न्यूजीलैंड पहुंचा और वहां उन्होंने बेहद ठंडे पानी में कड़ा अभ्यास किया। उन्होंने नौ घंटे और 22 मिनट में 23.6 किलोमीटर तैरकर यह उपलब्धि हासिल की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'पद्मश्री और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार से सम्मानित मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक सतेंद्र एस लोहिया ने दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है।' उन्होंने कहा, 'वह कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मैं इस असाधारण उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवशाली क्षण उनकी अदम्य भावना और अटूट दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।' डायरिया का उचित इलाज नहीं हो पाने के कारण लोहिया बचपन में ही दिव्यांग हो गए थे। उन्होंने 2017 में समुद्री तैराकी का अपना सफर शुरू किया था। वह इंग्लिश चैनल को भी पार कर चुके हैं।

अश्विन बोले, पाक स्पिनर तारिक का इस प्रकार सामना करे भारतीय टीम

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कोलंबो में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को अहम सलाह दी है। अश्विन के अनुसार पाक ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक की रुक कर आने वाली साइड आर्म एक्शन से की गई गेंदों को फेंकते समय जब वह रुके तो बस क्रीज से दूर हट जाएं। तारिक की रुक-रुक कर गेंदबाजी करने की शैली पर काफी सवाल उठे हैं हालांकि अभी तक आईसीसी ने उनपर रोक नहीं लगायी है। तारिक ने अपनी इस अजीब गेंदबाजी से ने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही प्रति ओवर छह रन से भी कम देकर 11 विकेट लिए हैं। ऐसे में वह भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अश्विन ने कहा, अगर गेंदबाज गेंद फेंकने से पहले थोड़ा रुक जाता है, तो बल्लेबाज को दूर हटने का अधिकार है। वह कह सकता है कि मुझे लगा कि वह रुक रहा है। इससे अंपायर के लिए बड़ी संशय की हालत होगी। उन्होंने कहा, अगर मैं वहां होता तो मैं भी यही करता।

आयरलैंड के कप्तान स्टर्लिंग विश्वकप से बाहर हुए

नई दिल्ली। आयरलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने में चोट के कारण विश्वकप से बाहर हो गए हैं। स्टर्लिंग को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में जोश इंग्लिस का कैच पकड़ते समय ये चोट लगी। इसके बाद ही वह मैदान से बाहर चले गये। इस कारण लोरकान टकर ने टीम की कप्तानी की थी। वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन रन लेने के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई जिस कारण उन्हें रिटायर हर्ट होकर वापस जाना पड़ा। इसके बाद जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी जगह टीम में अब अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम टॉपिंग को टीम में शामिल किया है। टॉपिंग अभी चेन्नई में अभ्यास सत्र से गुजर रहे हैं। टीम के एक अन्य खिलाड़ी बेन कैलिट्ज़ भी फिट नहीं हैं। ऐसे में स्टर्लिंग के बाहर होने से आयरलैंड की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप : मोहम्मद आमिर का अभिषेक शर्मा पर तीखा हमला, आउट करने की योजना भी बता गए

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले माहौल गरमा गया है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर ने भारतीय सलामी बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाए हैं। आमिर का कहना है कि अभिषेक आक्रामक तो हैं, लेकिन तकनीकी रूप से मजबूत नहीं। खास बात यह है कि ये बयान 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान ग्रुप मैच से ठीक पहले आए हैं, जिससे मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया है।

आमिर का दावा: 'सिर्फ ताकत, तकनीक नहीं'

एक पाकिस्तानी टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि अभिषेक की बल्लेबाजी हाई-रिस्क पर आधारित है। उनके मुताबिक, वह लगभग हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं जिससे उनके आउट होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आमिर का मानना है कि अभिषेक की पारियां निरंतर नहीं रही हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कई मैचों में छोटी पारियों के बाद एक बड़ी पारी आती है, लेकिन यह स्थिरता नहीं दर्शाती। आमिर ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी नजर में अभिषेक तकनीकी रूप से परिपक्व बल्लेबाज नहीं हैं।

'ऐसे करें आउट' - आमिर की रणनीति

आमिर ने सिर्फ आलोचना ही नहीं की, बल्कि अभिषेक को आउट करने की योजना भी साझा की। उनका सुझाव था कि डीप कवर पर फील्डर तैनात कर शरीर की लाइन पर गेंदबाजी की जाए। इसके अलावा, उन्होंने धीमी गति की गेंदों (स्लोअर डिलीवरी) को प्रभावी हथियार बताया। कोलंबो में खेले जाने वाले इस हाई-वोल्टेज मैच में आमिर के अनुसार यही रणनीति भारतीय बल्लेबाज़ को फंसाने में कारगर हो सकती है।

आंकड़े क्या कहते हैं?

आलोचना के बावजूद अभिषेक के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े प्रभावशाली हैं। उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 1,297 रन बनाए हैं, जो उन्हें टूर्नामेंट में शीर्ष रैंक वाले बल्लेबाज़ों में शामिल करता है। उनकी आक्रामक शैली ने कई मौकों पर भारत को तेज शुरुआत दी है। हालांकि, यह भी सच है कि टी20 क्रिकेट में जोखिम भरा खेल दोधारी तलवार की तरह होता है। अगर टाइमिंग सही हो तो मैच पलट सकता है, और चूक होने पर पारी जल्दी समाप्त हो सकती है।

बीमारी से जूझ रहे अभिषेक

भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले एक और चिंता की बात यह है कि अभिषेक फिलहाल अस्वस्थ बताए जा रहे हैं। यदि वह फिट नहीं हो पाते, तो टीम संयोजन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में उनकी उपलब्धता पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अभिषेक का जवाब: तैयारी पूरी

अभिषेक पहले भी स्वीकार कर चुके हैं कि तेज गेंदबाज उनके खिलाफ गति कम रखते हैं और विविधताओं का इस्तेमाल करते हैं। न्यूज़ीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ हालिया सीरीज के दौरान उन्होंने कहा था कि वह संभावित रणनीतियों को ध्यान में रखकर अभ्यास करते हैं। उनका मानना है कि अगर आक्रामक क्रिकेट खेलना है, तो हर तरह की गेंदबाज़ी के लिए तैयार रहना होगा। यही मानसिकता उन्हें बड़े मंच पर आत्मविश्वास देती है।

भारत-पाकिस्तान मैच पर असर

भारत और पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच होने वाला मुकाबला हमेशा भावनाओं और दबाव से भरा होता है। आमिर की टिप्पणी ने इस टकराव में नया मसाला जोड़ दिया है। अब देखना होगा कि अभिषेक मैदान पर बल्ले से जवाब देते हैं या आमिर की रणनीति कामयाब होती है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के इस महामुकाबले में सिर्फ रन और विकेट ही नहीं, बल्कि मानसिक बढ़त भी अहम भूमिका निभाएगी।

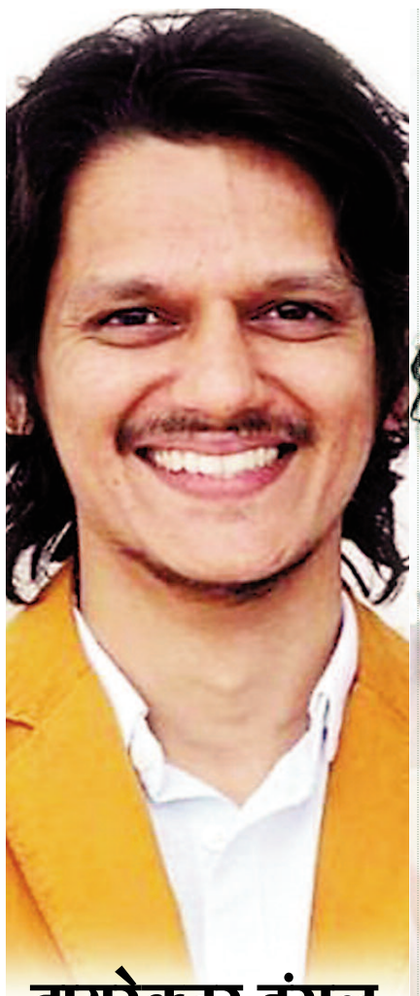

डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है

नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' की स्टार कास्ट ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डैशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया। उनकी एनर्जी और काम के प्रति जोश देखकर मजा आता है। रिया और नंदीश के साथ भी पहली बार शूटिंग की और बहुत मस्ती हुई। इस प्रोजेक्ट में कई 'पहली बार' वाली चीजें हुईं। अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर की। सबसे पहले उन्होंने शो की होस्ट जॉनी लिवर की बेटी जैमी लिवर के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था, जब आपने करियर भी शुरू नहीं किया था।' इसके बाद अभिनेता ने टीम की सराहना करते हुए कहा, 'यहां मौजूद सभी लोग, विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी सभी कलाकार। आप सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। ये सभी युवा कलाकार मुझे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। जैसा कि मैं कहता हूं, मेरा मुकाबला बढ़ रहा है। इनके साथ मुकाबला करके मैं खुद को जवान महसूस करता हूं। आप सभी युवाओं के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है।'

हमें कभी पांच फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता

एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी हाल ही में 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अपोजिट नजर आईं। अमर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि यह साइलेंट फिल्म उनके लिए कितनी खास थी? बातचीत के दौरान अदिति ने हिंदी फिल्मों में कम काम करने का कारण भी खुलकर बताया।

गांधी टॉक्स के लिए हामी भरने की सबसे बड़ी वजह क्या रही?

मेरा हमेशा से सपना रहा कि मैं किसी मूक फिल्म में काम करूं। जब गांधी टॉक्स मेरे पास आई, तो मैं सच में बेहद खुश हुई। फिल्म की टीम ने इसे और भी दिलचस्प बना दिया। जिस तरह किशोर (निर्देशक) ने इसका ढांचा बनाया, रहमान ने शानदार संगीत दिया और विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी व सिद्धार्थ जाधव जैसे बेहतरीन कलाकार मिले। सबने मिलकर इस फिल्म को खास बना दिया। इसके अलावा मेरे किरदार को लेकर किशोर ने साफ कहा था कि यह सिर्फ एक लव इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी का भावनात्मक हिस्सा भी है।

चार साल में हमने आपको ज्यादा हिंदी फिल्मों में नहीं देखा। क्या वजह रही?

बात बस इतनी सी है कि अगर मुझे अच्छा काम मिलेगा तो ही मैं हिंदी फिल्में करूंगी। सच्चाई यह है कि हम जैसे लोग जो बाहर से बॉलीवुड में आते हैं, हमें हर फिल्म के साथ बॉलीवुड में खुद को साबित करना पड़ता है और मैं यह बिना किसी शिकायत या नकारात्मकता के कह रही हूं। ऐसा कभी नहीं होता कि हमने पांच फिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए हों। हमें हर नई फिल्म में खुद को फिर से प्रूव करना पड़ता है। मैं 2011 से काम कर रही हूं और मेरा मानना है कि टैलेंट अपना रास्ता खुद बना लेता है। बाकी मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे देश के कई शानदार निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।

'कॉकटेल 2' के बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे शाहिद और रश्मिका

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि इस फिल्म के अलावा वह एक नई फिल्म में नजर आएंगे। 'कॉकटेल 2' में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब वह अनिल शर्मा के निर्देशन में बनने वाली नई फिल्म का हिस्सा होंगे। काम करते हुए बनी बॉन्डिंग वैरायटी इंडिया के मुताबिक 'कॉकटेल 2' में काम करते हुए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म से उनके लिए दूसरी फिल्म का रास्ता बना। बताया जाता है कि 'कॉकटेल 2' की शूटिंग के दौरान शाहिद और रश्मिका के बीच अच्छी बॉन्डिंग बन गई। जब उनसे नए प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया, तो वे एक-साथ काम करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। अनाम फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण होगा। इसे सुनील खेत्रपाल प्रोड्यूस करेंगे।

कब रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

फिल्म 'कॉकटेल 2' ने निर्देशक होमी अदजानिया हैं। यह 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसमें शाहिद और रश्मिका के अलावा कृति सेनन भी अहम किरदार में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज हो सकती है। शाहिद और रश्मिका का काम वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आने वाले हैं। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा के साथ 'रणबाली' में नजर आएंगी। यह फिल्म 11 सितंबर, 2026 को रिलीज होगी।

नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक

भारतीय सिनेमा में जब किसी अभिनेता को बड़े फिल्मकारों और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो वह अनुभव उनके करियर को बदलने वाला साबित होता है। इस कड़ी में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय को नीरज पांडे-रितेश शाह के निर्देशन और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिला, जो उनके लिए सीखने और प्रेरणा लेने वाली यात्रा बन गई। इंटरव्यू में उन्होंने अनुभवों को साझा किया। अक्षय ओबेरॉय ने कहा, ''नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा है। वह जिस जॉनर में फिल्म बनाते हैं, उसमें उनकी पकड़ और समझ अनोखी है। सेट पर हर दिन उनके साथ काम करना किसी मास्टरक्लास से कम नहीं होता। उनकी सटीकता, कहानी पर पकड़ और विजुअल बनाने का तरीका मुझे लगातार सीखने का अवसर देता रहा है। मेरा मानना है कि इस फिल्म ने मुझे एक बेहतर अभिनेता बनने में मदद की है और मेरी कला को और निखारा है।'' फिल्म के निर्देशक रितेश शाह को लेकर अक्षय ने कहा, ''उनके काम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदारों और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनके निर्देशन में हर सीन में एक वास्तविकता और वजन आता है। मैंने उनके साथ काम करते हुए हर सीन को अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से निभाने की कला सीखी। यह अनुभव मेरे लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी रहा।''

चिरंजीवी की अगली फिल्म में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने भी इसकी जमकर तारीफ की है। इसी बीच चिरंजीवी की अगली फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'चिरंजीवी ने अपनी अगली फिल्म फाइनल कर ली है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा। खास बात यह है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप भी नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अनुराग फिल्म में एक अहम किरदार निभाएंगे। चिरंजीवी इस प्रोजेक्ट के लिए निर्देशक बॉबी के साथ हाथ मिलाने जा रहे हैं। फिल्म का शुभारंभ फरवरी में किया जाएगा, जिसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू होने की संभावना है।

मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता था लेकिन....

भारतीय टेलीविज़न में ओवरनाइट सक्सेस बहुत कम लोगों को मिलती है और उन्हीं बेहद कम लोगों में एक नाम पुलकित सम्राट का भी शामिल है। जी हाँ, एक साधारण से टीवी ऑडिशन, जिसे उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट के साथ स्वीकार किया था, वही आगे चलकर ना सिर्फ उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, बल्कि उसी ने उन्हें हर घर का चहिता चेहरा भी बना दिया।

खुद को वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर देखनेवाले पुलकित सम्राट अपने करियर की शुरुआत टीवी नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि डेली सोप्स ज़्यादातर मेलोड्रामा तक ही सीमित रहते हैं। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और मंजूर था और उसी ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया। इस सिलसिले में पुलकित सम्राट कहते हैं, 'मुझे याद है मैंने साफ कहा था कि मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता, बल्कि मैं कुछ अलग और वर्सेटाइल करना चाहता था। लेकिन फिर कास्टिंग टीम ने मुझे समझाया कि यह किरदार बाकी टीवी रोल्स से अलग है। इसमें गहराई के साथ कुछ नया करने का मौका था और सबसे अहम बात यह थी कि मुझे एकता कपूर से मिलने का अवसर मिलने वाला था। इसी बात ने मुझे मुंबई आने के लिए राजी कर लिया और मैं रातों-रात दिल्ली से मुंबई आ गया।' गौरतलब है कि एकता कपूर पहले ही पुलकित की तस्वीरें देख चुकी थीं और उनसे मुलाकात के बाद वे निश्चिंत हो चुकी थी कि उनके सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लक्ष्य वीरानी वही होंगे। ऐसे में मुंबई आते ही उनकी ग्रूमिंग शुरू हुई। उन्हें नया हेयरकट दिया गया और स्क्रीन टेस्ट कराया गया और फुटेज देखते ही उनके नाम पर मोहर लगाते हुए एकता कपूर ने कहा, 'ओके, डन। रेडी।' हालांकि इस बड़ी सफलता के बीच भी पुलकित को रह-रहकर अपना परिवार याद आ रहा था, जिन्हें वे बिना बताए दिल्ली छोड़कर मुंबई चले आए थे। उनसे मिलने की तड़प और अपनी कामयाबी की खबर देने के लिए उन्होंने पीठ दर्द का बहाना बनाते हुए एक रात के लिए दिल्ली लौटने की इजाज़त मांगी और पहुँच गए अपने पैरेंट्स से मिलने। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने पैरेंट्स को देखते ही वे भावुक हो उठे। उस घटना को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'आंखों में आंसू लिए मैं उनके गले लगा। शब्द बहुत काम थे, बस थी तो भावनाएं। हालांकि कुछ ही घंटों बाद मैं फिर से मुंबई लौट आया लेकिन इस बार एक नए आत्मविश्वास और बदली हुई ज़िंदगी के साथ लौटा था।'

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में पुलकित की एंट्री बेहद खास रही थी। शो की जेनरेशन लीप के साथ उन्हें लॉन्च किया गया था और वे 'वो कृष्णा है' गीत के साथ सीधे दर्शकों के दिलों में उतर गए। गौर करनेवाली बात ये भी है कि यह किसी टीवी किरदार के लिए बनाए गए शुरुआती फुल-लेंथ लॉन्च सॉन्ग्स में से एक था। और इस तरह मौनी रॉय के साथ मिलकर वह नई पीढ़ी का चेहरा बने। इस सिलसिले में पुलकित कहते हैं, 'रातों-रात मैं एक जाना-पहचाना नाम बन चुका था और फिर उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

'ग्लोरी' से ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं पुलकित

'फुकरे' की लोकप्रियता के बाद 'तैश', 'सनम रे' और 'राहु केतु' में अलग-अलग तरह के किरदार निभाते हुए फिलहाल वे 'ग्लोरी' से न सिर्फ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखने जा रहे हैं, बल्कि पहली बार बॉक्सर का किरदार निभाते हुए अपने करियर को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। फिलहाल पुलकित सम्राट की यह कहानी बताती है कि कभी-कभी एक सही मौका पूरी ज़िंदगी बदल देता है, लेकिन उस मौके को आगे ले जाने के लिए मेहनत, धैर्य और सही फैसले सबसे ज़रूरी होते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।